दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित >>> दिल्ली >>> गाजियाबाद >>> नोएडा >>> ग्रेटर नोएडा >>> हापुड़ >>> अमरोहा >>> बागपत >>> मेरठ >>> मुजफ्फर नगर >>> बिजनौर >>> मुरादाबाद >>> बुलंदशहर >>> अलीगढ़ >>> फरीदाबाद >>> गुड़गांव >>> सोनीपत RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 25 अगस्त 2025
सुर्योदय प्रातः 05 :55 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 51 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ऐसे तो ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबेल शांति पुरस्कार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 310 | गाजियाबाद, सोमवार 25 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

बारिश-बाढ़ ने बिगाड़े राजस्थान के हालात

● बूंदी से लेकर सवाईमाधोपुर, टोंक तक बारिश ने ढाया कहर

घरों में घुसा चंबल का पानी, यूपी में नदी-नाले उफान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में लगातार बारिश होने से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। बूंदी में चंबल का पानी घरों में घुस गया। स्टेट हाईवे की सड़क उखड़ गई। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का एमआई-17 हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर में तेज बारिश के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन कैंपस परिसर में पानी भर गया। हॉस्टल की बिल्डिंग एक मंजिल तक डूब गई। 150 स्टूडेंट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे हैं। एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को देश के 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट है। विभाग ने राजस्थान में रेड, उत्तराखंड-मध्य प्रदेश समेत 6 राज्यों में ऑरेंज और यूपी बिहार समेत 22 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

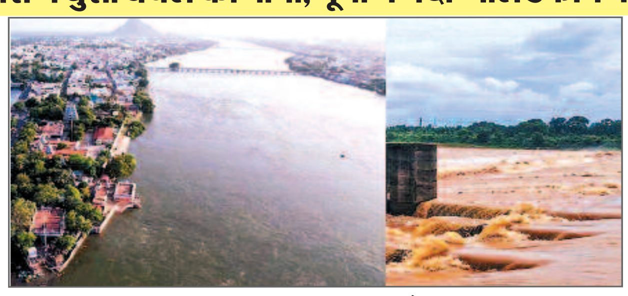

डीके के बाद कांग्रेस विधायक ने भी गाई आरएसएस प्रार्थना

● बोले-मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती; हमारी पार्टी सेक्युलर, अच्छी बातें अपनानी चाहिए

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बाद अब एक और कांग्रेस विधायक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना गाई है। तुमकुरु जिले के कुनिगल से विधायक एचडी रंगनाथ ने रविवार को पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे की पंक्तियां पढ़ी और इसे बहुत अच्छा गीत बताया। उन्होंने कहा, मैंने इसे पहली बार तब सुना जब डिप्टी सीएम ने विधानसभा में गाया। मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती। हमारी पार्टी सेक्युलर है और हमें दूसरों से अच्छी बातें अपनानी चाहिए। इससे पहले डीके शिवकुमार ने विधानसभा के अंदर संघ की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे की 2 लाइनें गाई थी।

रानी अवंतीबाई लोधी का जीवन देशभक्ति, त्याग और शौर्य का प्रतीक : गडकरी

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को नागपुर में लोधी क्षत्रिय लोक कल्याण फाउंडेशन कार्यक्रम में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के 194वीं जयंती समारोह में उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में गडकरी ने अवंतीबाई के बलिदान और साहस को याद करते हुए उन्हें भारत की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम वीरांगना बताया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि रानी अवंतीबाई मध्य प्रदेश के रामगढ़ राज्य की रानी थीं। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ साहसपूर्वक युद्ध लड़ा। अंग्रेजों के सामने झुकने की बजाय अपने राज्य और स्वाभिमान की रक्षा के लिए शहादत को गले लगाया। रानी अवंतीबाई उन पहली महिलाओं में से थीं, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका जीवन देशभक्ति, त्याग और शौर्य का प्रतीक है। ऐसी वीरांगनाओं की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती हैं।

आधार से कोई मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता : भाजपा

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को विपक्ष पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद दुष्प्रचार करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि शीर्ष अदालत ने यह नहीं कहा कि सिर्फ आधार ही मतदान का अधिकार पाने के लिए वैध दस्तावेज हो सकता है। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के दौरान बाहर किए गए मतदाता अन्य दस्तावेजों के साथ आधार जमा कर सकते हैं।

'वोट चोरी' के बाद 'सत्ता चोरी' में जुटी भाजपा : पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने वाले विधेयकों पर खरगे

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गिरफ्तारी को हथियार बनाकर "30 दिनों के भीतर विपक्षी सरकारों को गिराने" और "लोकतंत्र को अस्थिर करने" के लिए विधेयक लाकर "वोट चोरी" के बाद अब "सत्ता चोरी" में जुटी है।

खरगे ने दावा किया कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयक नागरिकों से अपनी सरकार चुनने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं तथा यह शक्ति प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। उन्होंने कहा, "यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है।"

खरगे ने यहां इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्यप्रदेश की जिला कांग्रेस समितियों (डीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्षों के साथ बैठक में अपने शुरुआती संबोधन में यह टिप्पणी की। उन्होंने जिला कांग्रेस प्रमुखों को बूथ और मंडल समितियों के गठन में विशेष सावधानी बरतने तथा यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि इन समितियों के सदस्य पार्टी के प्रति वफादार हों और कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें।

खरगे ने कहा, ''जिला अध्यक्ष अपने अधीन ब्लॉक समिति बनाता है। वह मंडल और बूथ समितियां बनाता है। जब आप ये समितियां बनाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि इसमें शामिल सभी सदस्य पार्टी के प्रति वफादार और मेहनतकश हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कांग्रेस की विचारधारा से न भटकें।" उन्होंने कहा कि कांग्रेस को ऐसे लोगों की जरूरत है, जिन्हें अगर कोई प्रलोभन भी दे, तो भी पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा न डगमगाए।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने अपने मजबूत संगठन के कारण लंबे समय तक देश पर शासन किया और मंत्रियों के लिए यह जरूरी था कि वे जब भी किसी जिले में जाएं, तो सबसे पहले जिला अध्यक्ष से संपर्क करें। उन्होंने हरियाणा और मध्यप्रदेश के जिला कांग्रेस प्रमुखों से कहा, ''जिला अध्यक्ष कांग्रेस संगठन की सबसे मजबूत कड़ी है।

यदि राज्य में सरकार बनानी है, तो उम्मीदवार को विधानसभा के लिए निर्वाचित करवाने में उनकी अहम भूमिका होती है। अगर देश में सरकार बनानी है, तो लोकसभा चुनाव जीतने के लिए आपके समर्थन की जरूरत होती है।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "बीच में इस परंपरा में थोड़ा बदलाव आया। मंत्री अपने पसंदीदा लोगों को जिला अध्यक्ष बनाने लगे। योग्यता और विचारधारा को नजरअंदाज किया जाने लगा। राहुल (गांधी) जी और मुझे यह अहसास हुआ कि संगठन को मजबूत किए बिना, जिला अध्यक्षों को महत्व दिए बिना, हम मजबूती से सत्ता में वापसी नहीं कर सकते।" उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने एक विश्तृत प्रश्तुति दी थी कि किस तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर एक साजिश के तहत रणनीतिक तरीके से "वोट चुराए गए।"

खरगे ने कहा, "हमें यह सब छह महीने के अध्ययन के बाद पता चला।" उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। अब पूरा देश इसे समझ रहा है। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग के विमर्श को उच्चतम न्यायालय में झटका लगा।"

संसद के हाल में संपन्न मानसून सत्र के बारे में बोलते हुए खरगे ने कहा कि विपक्ष चाहता था कि संसद चले और जनता से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि एसआईआर और "वोट चोरी" जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो। उन्होंने कहा, "भाजपा एसआईआर जैसी योजनाओं से हमारे लोगों के वोट काटती रहेगी। जिला अध्यक्ष की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हमें पूरे पांच साल सावधान रहना है।"

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "हमें अपनी मतदाता सूचियों की गहन जांच करते रहना होगा, ताकि अगर भाजपा के लोग या बीएलओ हमारे लोगों के नाम काटते हैं, तो हम उन्हें तुरंत पकड़ सकें।" उन्होंने कांग्रेस नेताओं से आग्रह किया कि वे लोगों को बताएं कि देश में सभी को मतदान का अधिकार कांग्रेस की देन है। खरगे ने कहा, ''राजीव गांधी ने मतदान की आयु 21 साल से घटाकर 18 वर्ष कर दी, ताकि लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके।''

राहुल गांधी के ''वोट चोरी'' के मुद्दे पर बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाले जाने का जिक्र करते हुए खरगे ने दावा किया कि लाखों लोग इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, "लेकिन प्रधानमंत्री लोगों को गुमराह करने के लिए घुसपैठियों की बात कर रहे हैं।"

दिसंबर तक बाजार में होगी इंडियन सेमीकंडक्टर चिप

● पीएम बोले-6 जी नेटवर्क डेवलप करने की दिशा में आगे बढ़ रहा देश

भारत की अर्थव्यवस्था और विकास कार्यों को लेकर पीएम ने की चर्चा

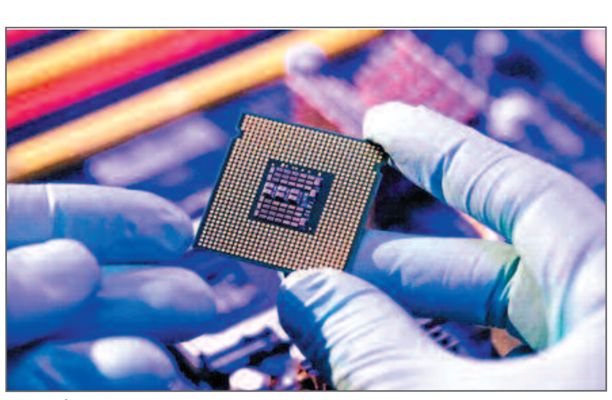

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था और विकास कार्यों को लेकर आज कई सारी बातों को साझा किया। उन्होंने बताया कि देश का पहला मेड-इन-इंडिया सेमीकंडक्टर चिप 2025 के अंत तक बाजार में उपलब्ध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार मेड-इन-इंडिया 6जी नेटवर्क डेवलप करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी ने आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को देश की आवश्यकता और इसके प्रति अपनी सरकार की आस्था बताई। उन्होंने कहा कि आज के भारत में सुधार और बदलाव के जरिए विश्व अर्थव्यवस्था को गति देने की शक्ति है। पीएम मोदी ने माल एवं सेवा कर सुधार को दीवाली तक लागू करने के 15 अगस्त पर लाल किले से किए गए अपने वादे को दोहराया। पीएम मोदी ने कहा पिछले एक दशक के आर्थिक सुधार और नई-नई पहलों का ही नतीजा है कि भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत धरातल पर खड़ी है। भारत दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है और जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। पीएम मोदी नई दिल्ली में एक मीडिया हाउस के सम्मेलन में सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'इस सम्मेलन का समय बहुत सही है। मैं इसकी सराहना करता हूं। लाल किले से मैंने अगली पीढ़ी के सुधारों की बात की थी। यह फोरम उसे और विस्तार दे रहा है। मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के एक सप्ताह के अंदर ही हुई बातों को आप सबने देखा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की वृद्धि में भारत का योगदान बहुत जल्दी 20 प्रतिशत के स्तर पर पहुंचने वाला है। भारतीय अर्थव्यवस्था की यह मजबूती और वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था में एक दशक में किए गए सुधारों का परिणाम है।

राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत के करीब

नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारा राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत के करीब है। बैंक पहले से ज्यादा मजबूत है। मुद्रास्फीति 2017 के बाद से न्यूनतम स्तर पर है। ब्याज दरें भी कम हैं। विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड स्तर पर है। छोटे निवेशक मासिक निवेश योजनाओं के माध्यम से हर माह हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह में यह जो कुछ दिखा है वह भारत की आर्थिक वृद्धि का शानदार उदाहरण है। उन्होंने इस संदर्भ में जून में ईपीएफओ के आंकड़ो में संगठित क्षेत्र में 22 लाख नई नौकरियों के जुड़ने का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अब तक रोजगार का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी तरह सोलर पीबी सेल की क्षमता 100 जीबी तक पहुंच गई है। दिल्ली हवाई अड्डे की यात्री क्षमता हर साल 10 करोड़ तक पहुंच गई है और यह दुनिया के छह सबसे बड़े अड्डों में शामिल हो गया है। पीएम मोदी ने कहा वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की रेटिंग में सुधार किया है और ऐसा दो दशक के बाद हुआ है। भारत अपनी वृद्धि और मजबूती से दुनिया के लिए उम्मीद की जगह बना हुआ है। उन्होंने कहा, 'भारत आज दुनिया को धीमी गति से बाहर निकालने की क्षमता रखता है।

यूरोपीय देशों ने भी रोकी अमेरिका के लिए डाकसेवा

● भारत के बाद ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, इटली ने की सर्विस सस्पेंड, ट्रम्प का टैरिफ वजह बना

लंदन (एजेंसी)। भारत के बाद कई यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। इनमें इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया समेत कई देश शामिल हैं। सर्विस सस्पेंड होने की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ नियम हैं। दरअसल, ट्रम्प प्रशासन ने इसी साल 30 जुलाई को आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट को खत्म कर दिया गया है। यह छूट 29 अगस्त से खत्म हो जाएगी। यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और दूसरे डाक विभागों के मुताबिक नए नियमों पर अब तक साफ जानकारी नहीं दी गई है।

निर्वाचन आयोग 'गोदी आयोग' बन गया है : तेजस्वी यादव

✷ **वेबवार्ता. अररिया (बिहार)** ✷

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को निर्वाचन आयोग पर ''भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक प्रकोष्ठ'' के रूप में काम करने का आरोप लगाया और कहा कि निर्वाचन आयोग ''गोदी आयोग'' बन गया है।

तेजस्वी यादव बिहार के अररिया में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के दीपांकर भट्टाचार्य और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के अन्य प्रतिनिधियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

यादव ने कहा, ''निर्वाचन आयोग अपनी विश्वसनीयता खो चुका है... बिहार में मतदाता सूची का उसका विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है। यह लोगों के वोट चुराने का प्रयास है। निर्वाचन आयोग भाजपा के एक प्रकोष्ठ के रूप में काम कर रहा है... यह 'गोदी आयोग' बन गया है... इसके अधिकारी भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं।''

यादव ने कहा, ''हम निर्वाचन आयोग को बिहार में आगामी चुनाव में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए वोट चुराने नहीं देंगे।''

यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'घुसपैठियों' वाले हालिया बयान की भी आलोचना की और उन पर 'झूठ फैलाने' का आरोप लगाया।

'बुलेट' पर राहुल की सुरक्षा में लग गई सेंध

● भीड़ से निकले युवक ने गाल पर किया किस, एसपीजी ने जड़ा चांटा

पूर्णिया (एजेंसी)। राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। पूर्णिया से अररिया तक हुई बाइक रैली में राहुल गांधी खुद बाइक चलाते हुए नजर आएं। पूर्णिया की सड़कों पर राहुल गांधी बाइक चला रहे थे इसी दौरान लाल शर्ट पहने एक शख्स राहुल गांधी के पास आकर उनके गालों पर किस कर लिया। पल भर की इस घटना को देख सुरक्षाकर्मियों के होश उड़ गए। एसपीजी के जवान ने फौरन राहुल से उस युवक को अलग किया और चांटा जड़ा। ऐसा पहली बार है कि राहुल गांधी के साथ इस तरह की घटना घटी है। दरअसल पूर्णिया में राहुल गांधी को देखने और मिलने के लिए भारी भीड़ थी। बाइक के आगे और पीछे हजारों की संख्या में लोग चल रहे थे इसी दौरान भीड़ से निकल कर एक शख्स ने राहुल गांधी को पकड़ कर किस कर दिया। राहुल गांधी भी पल भर के लिए हक्के-बक्के रह गए लेकिन उन्होंने किसी तरह का गुस्सा नहीं दिखाते हुए बाइक चलाना जारी रखा। उन्होंने रविवार को दावा करते हुए कहा कि वे किसी हाल में बिहार में वोटों की चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा की पार्टनर बन चुका है।

धर्मपुरा ग्राम पंचायत के प्रधान शौवीर सिंह को उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। निकटवर्ती ग्राम धर्मपुरा। ग्राम पंचायत के प्रधान श्री शौवीर सिंह को

15 अगश्त 2025 को दिल्ली में पंचायत के उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों और ब्लॉक क्षेत्र के सम्मानित प्रधानों ने ग्राम प्रधान को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर विधायक पति मौसम चौधरी ने प्रधान शौवीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। खंड विकास अधिकारी हल्दौर श्री कुणाल रश्तोगी (IAS) ने भी शौवीर सिंह के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव मोहित कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सपा की पीडीए चर्चा बैठक, उमेश वाल्मीकि ने किया संबोधित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। नहटौर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम हरपुर और नहटौर नगर की

वाल्मीकि बश्ती में रविवार को समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए चर्चा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सपा नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव व्यापार सभा उमेश वाल्मीकि पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए उमेश वाल्मीकि ने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीडीए पंचायत का उद्देश्य समाज को जागरूक करना और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा की बढ़ती लागत को नजरअंदाज कर रही है। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो गया है। वहीं समाजवादी सरकार की योजनाओं—कन्या विद्याधन, लैपटॉप वितरण, 100 डायल, 102 और 108 एंबुलेंस—को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि उन योजनाओं का सीधा लाभ जनता को मिला था। युवाओं को प्रेरित करते हुए उमेश वाल्मीकि ने बूथ श्तर तक सक्रिय रहने और बीएलओ से संपर्क कर नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की अपील की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं से समाजवादी विचारधारा से जुड़ने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खराती लाल ने की और संचालन राजेश सहदेव ने किया। इस मौके पर डॉक्टर फिरोज, रामपाल सैनी, सुक्के सैनी, मुन्ना सैनी, शशि वाल्मीकि (प्रदेश सचिव, सपा महिला सभा), गौरव सहदेव, प्रकाश सहदेव, रविंद्र चनवाल, डॉ. फिरोज अहमद, अल्ताफ, मेहताब अहमद, परवेज, शादाब, सुल्तान, रिहान, दानिश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

निक्की हत्याकांड : आरोपी पति पुलिस मुठभेड़ में घायल, ससुराल के अन्य सदस्य फरार

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। गौतमबुद्ध नगर के सिरसा गांव में पत्नी निक्की (28) को जिंदा जलाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी पति विपिन भाटी को पुलिस ने रविवार दोपहर मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। इस मुठभेड़ में विपिन पुलिस की गोली से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि ससुराल पक्ष के अन्य तीन आरोपी—सास दया, ससुर सतवीर और जेठ रोहित—अब भी फरार हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रविवार को थाना कासना पुलिस विपिन को घटना में प्रयुक्त ज्वलनशील पदार्थ बरामद कराने ले जा रही थी। इस दौरान विपिन ने मौके से भागने का प्रयास किया और पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें विपिन के पैर में गोली लग गई।

राजस्थान में विकराल हुआ मॉनसून

कई जिलों में बाढ़ का खतरा, सेना तक बुलानी पड़ी

जयपुर, , एजेंसी। गुजरात-मुंबई में तांडव मचाने के बाद मॉनसून ने अब राजस्थान का रुख कर लिया है। प्रदेश के बड़े हिस्सों में मूसलाधार बारिश से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, सड़कें खराब हो गईं और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो महिलाओं की मौत हो गई है, जबकि सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राज्य के पूर्वी हिस्सों में और अधिक बारिश होने का अनुमान भी जताया गया है। आठ जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जिनमें कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक और बूंदी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को पिछले 24 घंटों में बूंदी के नैनवां में 502 मिमी बारिश हुई, जो सबसे ज्यादा है। हालात की गंभीरता को देखते हुए बचाव और राहत अभियान चलाने के लिए सेना के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल को तैनात किया गया है। वायु सेना को भी तैयार रहने के लिए कहा गया है और एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर पहले ही सहायता के लिए उड़ान भर चुका है।

सवाई माधोपुर और बूंदी में हालात ज्यादा खराब हैं। बूंदी में बाढ़ के तेज बहाव में बह जाने से 50 साल की एक महिला की मौत हो गई और एक खेत में टिन शेड की दीवार गिरने से 65 साल की एक महिला की मौत हो गई। सवाई माधोपुर में 30 से ज्यादा गांव पानी में डूब गए हैं और उनका मुख्य शहर से संपर्क टूट गया है। लगातार हो रही बारिश और सुरवाल बांध के ओवरफ्लो होने से एक लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सड़क और रेल संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राजस्थान को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाला राजमार्ग पानी में डूब गया है, जबकि कोटा में, शहर को जयपुर और अन्य क्षेत्रों से जोड़ने वाली सड़कें भी पानी में डूब गई हैं।

बचाव कार्यों में मदद के लिए सेना को भी बुलाया गया है। सवाई माधोपुर में, सेना की टीमें फंसे हुए ग्रामीणों को बचाने और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के साथ मिलकर काम कर रही हैं। बूंदी में भी ऐसे ही अभियान चल रहे हैं, जहां प्रशासन ने नैनवां, कापरेन और केशोरायपाटन जैसे सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में सेना से मदद मांगी है। बचाव कर्मियों और ग्रामीणों को ले जा रहा एक ट्रैक्टर एक गड्ढे में गिर गया, जिससे एसडीएफ टीम का एक सदस्य मामूली रूप से घायल हो गया। मौसम विभाग का येलो अलर्ट मौसम विभाग ने आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें इन जिलों में और ज्यादा भारी बारिश की चेतावनी दी गई है, जिससे स्थिति और खराब हो सकती है। अधिकारी निवासियों से सतर्क रहने और एहतियात बरतने का आग्रह कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की।

चलती ट्रेन से फिसलकर प्लेटफॉर्म और सीढ़ियों के बीच फंसीं डॉक्टर की मां

फर्रुखाबाद , एजेंसी। यूपी के फर्रुखाबाद की एक 60 वर्षीय महिला महिमा गंगवार के लिए कहावत जाको राखे साइयां, मार सके न कोय सच साबित हुई, जब वह शनिवार देर रात कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर एक चलती ट्रेन से गिर गईं। आरपीएफ (रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स) के जवानों की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ से उनकी जान बच गई। महिला का बेटा कानपुर के हैलट अस्पताल में डॉक्टर है।

महिमा अपने पति राजवीर सिंह के साथ कानपुर से भोपाल जाने के लिए 12593 गरीब रथ एक्सप्रेस में सवार होने की कोशिश कर रही थीं। ट्रेन आधी रात 12ः35 बजे स्टेशन पर आई और उन्हें अपना कोच ढूंढने में देर हो गई। जब तक वे कोच तक पहुंचे, ट्रेन चल पड़ी थी। जल्दबाजी में चढ़ने की कोशिश में महिमा का पैर फिसल गया और वह ट्रेन के पायदान और प्लेटफॉर्म के बीच की जगह में गिर गईं।

आसपास के लोग शोर मचाने लगे। यह देखकर, वहां मौजूद आरपीएफ के एएसआई सीपी सिंह तुरंत हरकत में आए। उन्होंने महिमा को प्लेटफॉर्म की तरफ खिसकने की हिदायत दी और अपने साथी सिपाहियों अनिल कुमार और श्रवण कुमार को तुरंत ट्रेन की चेन खींचने का आदेश दिया। सिपाहियों ने बिना एक पल की भी देरी किए चेन खींची और ट्रेन रुक गई। इसके बाद, आरपीएफ टीम ने महिमा को सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए स्टेशन पर ही बनी मोटर कार से प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ले गए।

मॉडर्न एरा बना फुटबॉल चैंपियन

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷

ग्रेट इंडियन अकादमी, झालू में आयोजित अंडर-16 फुटबॉल टूर्नामेंट का अंतिम व निर्णायक दिन बड़े ही उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता के दौरान जिलेभर से आई टीमों ने शानदार खेल भावना और अनुशासन का प्रदर्शन किया। मैच संचालन का कार्य ग्रेट इंडियन अकादमी द्वारा किया गया, जिसमें रेफरी हिमांशु कुमार, तेजपाल सिंह और अश्वनी कुमार रहे। विद्यालय के पी-टी-आई अर्णव चौधरी का विशेष योगदान सराहनीय रहा।

ग्रेट इंडियन अकादमी टीम-1 बनाम यूनिवर्सल स्कूल बिजनौरने तेज़ आक्रमण और बेहतरीन पासिंग के दम पर जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनलः हसलमून स्कूल चांदपुर बनाम मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल बिजनौर कड़े संघर्ष के बाद दूसरे हाफ में रणनीति बदलकर मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल ने बढ़त हासिल की और फाइनल में प्रवेश किया। रोमांचक फाइनल मुकाबला फाइनल में आमने-सामने हुईं यूनिवर्सल स्कूल बिजनौर और मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल बिजनौर। खिलाड़ियों के जोश और दर्शकों की भारी भीड़ ने माहौल को यादगार बना दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मॉडर्न एरा पब्लिक स्कूल ने प्रथम स्थान हासिल किया। यूनिवर्सल स्कूल बिजनौर उपविजेता रहा। हसलमून स्कूल चांदपुर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। यूनिवर्सल स्कूल के अंश चौधरी को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर घोषित किया गया। विद्यालय प्रबंधन समिति ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करते हैं। ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को मंच देते हैं और उनके सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधक गौरव डाबरा, प्रधानाचार्य मुकुल शर्मा, उप-प्रधानाचार्या दीक्षा डाबरा ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी व प्रमाणपत्र प्रदान किए। मुख्य अतिथि ने भी बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ग्राम प्रधान की मौत पर उठे सवाल, परिजनों ने पति पर लगाया हत्या का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

परिजनों ने पोस्टमार्टम के लिए दोबारा उठाई मांग

थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मेवानवादा की ग्राम प्रधान राहिल परवीन (40) का शव बुधवार सुबह घर की खिड़की में फंदे से लटका मिला। सबसे पहले मृतका के 17 वर्षीय बेटे अमान ने यह दृश्य देखा, जब वह स्कूल जाने के लिए तैयार हो रहा था। हैरानी की बात यह रही कि शव घुटनों के बल जमीन पर टिका था, जिसे देखकर पड़ोसियों को शक हुआ कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है।

राहिल परवीन इशरत अली (45) की दूसरी पत्नी थीं। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, लेकिन वह इशरत की पहली पत्नी से हुए चारों बच्चों को अपने बच्चों की तरह देखभाल करती थीं।

परिजनों का कहना है कि इशरत अली का किसी अन्य महिला से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद रहता था।

मृतका के पिता बदरुद्दीन और चाचा सलाउद्दीन ने सीधे तौर पर इशरत अली पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज के लिए तहरीर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी सतेन्द्र कुमार पुलिस टीम और फोरेंसिक दल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

परिजनों का आरोप है कि मंगलवार रात घर के सामने वॉलीबाल टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था, जो देर रात तक चला।

तेज शोर-शराबे के बीच राहिल की हत्या की गई और फिर उसके शव को फंदे से लटका दिया गया ताकि यह आत्महत्या लगे।

राहिल परवीन पहली बार ग्राम प्रधान बनी थीं और चार सालों में उन्होंने गांव में कई विकास कार्य कराए थे। परिजनों का कहना है कि उनकी ईमानदारी और कार्यशैली से कुछ लोग असहज थे और लगातार उन्हें परेशान किया जाता था।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट से हम संतुष्ट नहीं है पोस्टमार्टम को दोबारा करने की उठाई मांग हमें इंसाफ मिलना चाहिए और उन्होंने बताया कि जब नहलाने वाली शबाना को बुलाया उसने गुसल करते समय कुछ ऐसे दृश्य देखें जिसे देखने के बाद उसके रोंगटे खड़े हो गए उसने कहा राहिल के शरीर पर बहुत से निशान थे, इस विषय में प्रधान पति इशरत से फोन करके मालूम किया गया तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया

हिजबुल मुजाहिद्दीन के स्लीपर सेल का भंडाफोड़, पकड़ा गया आतंकी; सीमा पार हैंडलर से था कनेक्शन

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए शनिवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन (हिजब) से जुड़े एक ओवर-ग्राउंड वर्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान अल्ताफ हुसैन वागे के रूप में हुई है, जो शोपियां के बेहराम क्षेत्र के रेबन गुंड का निवासी है। एसआइए के प्रवक्ता ने बताया कि वागे हिजबुल मुजाहिद्दीन के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था और क्षेत्र में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल था। एसआइए के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, लगातार प्रयासों के बाद, एसआइए कश्मीर ने शोपियां के बेहराम में रेबन गुंड क्षेत्र के निवासी अल्ताफ हुसैन वागे नामक एक ओजीडब्ल्यू को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। यह गिरफ्तारी एक आतंकवाद से संबंधित मामले की चल रही जांच के सिलसिले में की गई है। जांच के दौरान, एजेंसी ने विश्वसनीय सबूत जुटाए, जो वागे के हिजबुल मुजाहिद्दीन के एक आतंकी हैंडलर के साथ सीधे संबंधों को स्थापित करते हैं। माना जाता है कि यह हैंडलर सीमा पार से ऑपरेट हो रहा है। प्रवक्ता ने बताया, आतंकी हैंडलर के इशारे पर, यह ओजीडब्ल्यू आतंकी, गैरकानूनी और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। वह आतंकी साजिश में सक्रिय रूप से शामिल था, भारत-विरोधी प्रचार को बढ़ावा दे रहा था और इसे आगे बढ़ाने में जुटा था। अधिकारियों का मानना है कि वागे ने दक्षिण कश्मीर में आतंकी नेटवर्क को दोबारा खड़ा करने में सहायता और चरमपंथी विचारधारा को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह विदेश में मौजूद हैंडलर्स के साथ गुप्त बातचीत बनाए रखकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। एसआइए ने कहा कि हिजबुल मुजाहिद्दीन से जुड़े अन्य ऑपरेटिव्स और स्लीपर सेल्स के व्यापक नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

सवेरा योजना से एक कॉल पर मिल रही मदद

16 लाख बुजुर्गों ने कराया रजिस्ट्रेशन; सवेरा योजना सफल साबित हुई

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बुजुर्गों की सुरक्षा और सेवा के लिए शुरू की गई यूपी-112 की सवेरा योजना एक बड़ी सफलता साबित हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में चलाई जा रही इस योजना ने प्रदेश के 16 लाख से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को एक कॉल पर सुरक्षा और सम्मान का अनुभव कराया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण और डीजी नीरा रावत के निर्देशन में, यूपी-112 द्वारा बुजुर्गों का पंजीकरण करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना से जोड़ना है, ताकि आपात स्थिति में उन्हें तुरंत सहायता मिल सके। इस योजना से जुड़ने के लिए कोई भी वरिष्ठ नागरिक अपने नज़दीकी पुलिस स्टेशन पर जा सकता है या सीधे 112 पर कॉल करके पंजीकरण करा सकता है।

पंजीकरण कराने वाले बुजुर्गों की कॉल पर यूपी-112 की टीम प्राथमिकता के आधार पर और तेज़ी से पहुंचती है। बीट पुलिस कर्मी और पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) की टीम समय-समय पर बुजुर्गों से मिलकर उनकी समस्याओं को जानने और उनका समाधान करने का प्रयास करती है।

पिछले एक साल में 27,000 से ज़्यादा वरिष्ठ नागरिक इस योजना से जुड़े हैं, जिससे कुल पंजीकृत लोगों की संख्या 16,52,709 हो गई है। यह आंकड़ा बताता है कि इस पहल पर लोगों का भरोसा बढ़ रहा है। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के मौके पर यूपी-112 ने एक विशेष पहल करते हुए पंजीकृत बुजुर्गों से फ़ोन पर बात की। इस दौरान उनके स्वास्थ्य और समस्याओं के बारे में पूछा गया। इसके अलावा, पीआरवी कर्मी व्यक्तिगत रूप से उनके घरों पर पहुँचे और उन्हें शुभकामनाएं दीं, जिससे बुजुर्गों को यह एहसास हुआ कि वे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने इस योजना के बारे में बताते हुए कहा कि यूपी-112 की सवेरा योजना हमारे वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास लेकर आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में यूपी पुलिस का यह संकल्प है कि हमारे बुजुर्ग हर परिस्थिति में सुरक्षित, सम्मानित और निश्चिंत रहें।

हिंसक कुत्तों को कहां रखेंगे? फरीदाबाद नगर निगम बोला- हमारे पास शेल्टर होम नहीं

फरीदाबाद, एजेंसी। स्मार्ट सिटी की गलियों और सड़कों पर बढ़ती आक्रामक कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम के पास कोई शेल्टर होम की व्यवस्था नहीं है। निगम फिलहाल एनजीओ के सहारे नसबंदी और देखभाल का काम रहा है, वह भी किराए की जमीन है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी अधूरी तैयारी निगम पर भारी पड़ सकती है।

औद्योगिक नगरी में कुत्तों का आतंक काफी बढ़ गया है। सेक्टर हो, कॉलोनी हो हाईराइज सोसाइटियां सभी जगह लावारिस कुत्तों का जमघट लगा रहता है। आए दिन राह चलते लोगों पर झपट पड़ते हैं, स्कूली बच्चों पर हमला कर देते हैं। पिछले दिनों ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। हाल यह है कि निगम की ओर से एक भी शेल्टर तैयार नहीं किया गया है। निगम के आंकड़ों की मानें तो शहर के 46 वार्ड में लावारिस कुत्तों की संख्या 18 हजार के करीब है। निगम ने आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए एनजीओ के साथ करार किया हुआ है। एनजीओ हर माह 50 के करीब कुत्तों का बधियाकरण करती है, ताकि उनकी संख्या को नियंत्रित किया जा सके। एजेंसी के पदाधिकारियों के अनुसार पिछले एक साल में 3400 कुत्तों का बधियाकरण किया गया है।

कुत्तों के आतंक का अंदाजा बीके अस्पताल में रेबीज का इंजेक्शन लगाने वाले मरीजों की संख्या को देखकर लगाया जा सकता है। रोजाना करीब 80 से 100 मरीज इंजेक्शन लगवाने के लिए आते हैं। इन मरीजों को इंजेक्शन के लिए भटकना पड़ता है। इंजेक्शन नहीं होने पर मरीजों को बाहर से खरीदकर लाने पड़ते हैं। निगम की ओर से आवारा कुत्तों को खाना देने के लिए पॉइंट बनाने की योजना है। ये पांइट आरडब्ल्यूए के साथ मिलकर बनाए जाएंगे, जिससे व कॉलोनियों में लोग आसानी कुत्तों को भोजन दे सकें।

इससे एक तरफ कुत्तों को इधर-उधर भटकना कम होगा, दूसरी तरफ इंसानों पर हमले की संभावना भी घटेगी। निगम अधिकारियों के अनुसार, इन पॉइंट्स का जिम्मा स्थानीय आरडब्ल्यूए और पशु प्रेमियों को दिया जाएगा।

डब्ल्यूसीआरए सेक्टर-21ए के अध्यक्ष, गजराज नागर का कहना है कि गलियों में लावारिस कुत्तों से बहुत परेशान है। हर गली में पांच-सात कुत्ते बैठे रहते हैं। वहां से गुरजने वाले बच्चे, बुजुर्गों पर हमला कर देते हैं। ऐसे में इन आवारा कुत्तों के शेल्टर की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे लोग भय मुक्त होकर सड़क से गुजर सके। नंगला निवासी संजय चौहान का कहना है कि कुत्तों के कारण खासकर रात में गलियों को पार करना लोगों के बड़ी चुनौती होता है। नंगला भड़ाना चौक निवासी संजय ने बताया वह सेक्टर-23 में ड्यूटी करते है।

एक रात स्कूटी से जब घर जा रहे थे तो दो कुत्ते उनके पीछे पड़ गए। उन्होंने जब स्कूटी तेज की चार-पांच कुत्तों का झुंड उनके पीछे दौड़ पड़ा। एक बार तो लगा वह अब बच नहीं पाएंगे लेकिन उन्होंने किसी प्रकार अपनी जान बचाई। नगर निगम प्रशासन लावारिस कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए टीकाकरण और नसबंदी करवा रहा है। इसके लिए निगम ने स्वयंसेवी संगठन से अनुबंध किया हुआ है। निगम के साथ मिलकर काम कर रहीं पीपल फॉर एनीमल्स संस्था की पदाधिकारी वृंदा शर्मा ने बताया कि एक साल में 3,100 लावारिस कुत्तों की नसबंदी की जा चुकी है। वहीं 3,700 को रैबीज के इंजेक्शन लगाए जा चुके हैं। औसतन हर माह 350-350 लावारिस कुत्तों को रैबीज के इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। जहां से भी शिकायत मिलती है, वहां हालत का जायजा लिया जा रहा। आरडब्ल्यूए को लावारिस कुत्तों को खाना खिलाने के लिए स्थान निर्धारित करना चाहिए।

धर्मपुरा ग्राम पंचायत के प्रधान शौवीर सिंह को उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए सम्मानित

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷ । निकटवर्ती ग्राम धर्मपुरा। ग्राम पंचायत के प्रधान श्री शौवीर सिंह को 15 अगश्त 2025 को दिल्ली में पंचायत के उत्कृष्ट विकास कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर ग्रामवासियों और ब्लॉक क्षेत्र के सम्मानित प्रधानों ने ग्राम प्रधान को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर विधायक पति मौसम चौधरी ने प्रधान शौवीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। खंड विकास अधिकारी हल्दौर श्री कुणाल रश्तोगी (IAS) ने भी शौवीर सिंह के कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव मोहित कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा बूथ अध्यक्ष के पुत्र से मारपीट परिजनों को भी पीटा

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷ । झालू नगर के मोहल्ला जोशियान में शनिवार की शाम लगभग 7 बजे भाजपा बूथ अध्यक्ष के पुत्र के साथ मारपीट की घटना सामने आई। मोहल्ला जोशियान निवासी राहुल उर्फ बिट्टू जोशी, भाजपा बूथ अध्यक्ष ने बताया कि उनके पुत्र हिमांशु जोशी को मोहल्ले के ही मधुसूदन जोशी पुत्र भगतराम, सोनू, सचिन, विवेक पुत्र मधुसूदन जोशी तथा विनोद उर्फ गीदड़ पुत्र भगतराम ने जमकर पीटा। जब उनके परिजन बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। घटना के दौरान निखिल पुत्र विनोद भी वहां पहुंचा और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित पक्ष को बचाया। पीड़ित परिवार की ओर से इस घटना की तहरीर हल्दौर थाने में दी गई है।

संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम स्मृति मिश्रा ने सुनी जन समस्या

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷ । थाने में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी स्मृति मिश्रा ने लोगों की शिकायतें सुनी। इस दौरान पांच शिकायतें दर्ज हुई। उन्होंने अधिनस्थों को टीम गठित कर सभी शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान शमीम अहमद, जावेद अहमद, सलमान अहमद, तहसीन अहमद आदि ने मौजा कासमपुर लेखराज में खसरा संख्या 248 स्थित कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत की। राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची तथा जेसीबी की मदद से कब्रिस्तान की भूमि से अवैध कब्जा हटवाकर उसे कब्जामुक्त कराया। टीम में लेखपाल ब्रह्म सिंह रवि, मनोज कुमार, गगनदीप सिंह, कांस्टेबल राजदीप सिंह, नवीन कुमार, शरद कुमार शामिल रहे। शिकायतकर्ता भी मौजूद रहे। अन्य शिकायतों के समाधान के लिए भी टीमों को भेजा गया।

युवक के साथ मारपीट में तीन के खिलाफ नामजद रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । दादरी कोतवाली दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में युवक के साथ गाली गलौज कर मारपीट की गई। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी है। घायल के परिजन ने तीन युवकों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घोड़ी बछेड़ा गांव निवासी दशरथ 22 अगश्त की रात्रि में करीब साढ़े नौ बजे जिम से अपने घर पर आये। आरोप है कि घर के सामने गांव के ही केशव रावल, सुमित व अनुज उनके भतीजे से गाली गलौज और अभद्रता कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता की गला दबाकर हत्या, पति समेत 7 पर केस

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷ । दनकौर के मकनपुर बांगर गांव में दहेज में 5 लाख रुपये और कार न देने पर विवाहिता की गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि ससुराल पक्ष शादी के बाद से दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। मायके वालों की शिकायत पर रविवार शाम पति पति आमिर उर्फ कपिल, जेठ अर्जुन, सास जन्नत, देवर सुंदर, शाहरुख, आबिद और रेनू उर्फ लाली के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र बदौली गांव निवासी शाहरुख ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उन्होंने करीब सवा दो वर्ष पहले अपनी बहन सन्नो और शबनम की शादी दनकौर कोतवाली के मकनपुर बांगर गांव निवासी आमिर उर्फ कपिल और आबिद के साथ की थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत का कारण आया है।

सांसद - विधायक ने किए 8 स्थानों पर निर्माण कार्यो का उदघाटन किया

1 करोड 26 लाख 76 हजार होंगे खर्च

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा जनता को प्रत्येक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित हैं।

इसके लिए वे गाजियाबाद का चहुमुखी विकास कराकर उसे आदर्श शहर बनाने के अभियान में जुटे हैं। विकास के अभियान में रविवार को सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने अनेक स्थानों पर सीसी रोड, नाली निर्माण व इंटरलॉकिंग के निर्माण कार्य का उदघाटन किया। सांसद निधि से होने वाले कार्यो पर 22.65 लाख व डूडा द्वारा कराए जाने वाले कार्यो पर 1 करोड 4 लाख 11 हजार कुल एक करोड 26 लाख 76 हजार की लागत आएगी।

सांसद अतुल गर्ग व पिधायक संजीव शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्रर नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में देश व उत्तर प्रदेश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। गाजियाबाद का भी पूर्ण विकास कराकर जनता को हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास जारी है।

विधायक संजीव शर्मा के मीडिया सलाहकार अजय चोपड़ा ने बताया कि सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने वार्ड 1 में मौहल्ला खैरातीनगर में अतुल के मकान से ईश्वर के मकान तक सांसद निधि से 9.99 लाख की लागत से होने वाले सीसीरोड नाली निर्माण कार्य का उदघाटन किया। वार्ड 1 में ही क्रिश्चियन नगर बागू में गली नंबर 5 में राजकुमार सेठ के मकान से समंदर सैन के मकान तक सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य का उदघाटन किया।

सांसद निधि से होने वाले इस कार्य की अनुमानित लागत 3.83 लाख है। ब्लूम फील्ड पब्लिक स्कूल से भगत सिंह के मकान तक सासद निधि से 8.83 लाख से होने वाले इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य का उदघाटन किया। वार्ड 1 में कृष्णानगर बागू में प्रेम सिंह के मकान से रविंद्र कुमार, महेंद्र से माखन सिंह, धर्मवीर से केपी सिंह व दिनेश कुमार के मकान तक डूडा द्वारा 2717824 की लागत से किए जाने वाले नाली इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उदघाटन किया। सांसद अतुल गर्ग व विधायक संजीव शर्मा ने कृष्णा नगर बागू भाग 2 में मनोज गौतम से हलवाई, साइ काज बटन से रतन, दिनेश शर्मा से अशोक व ललित मेडिकल से अमित शर्मा के मकान तक 2058870 की लागत से डूडा द्वारा किए जाने वाले नाली इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उदघाटन किया। कृष्णा नगर बागू भाग 3 में मुरली भगत से ब्रजपाल, सुरेंद्र व नीतू से राकेश के मकान तक डूडा द्वारा 1203552 की लागत से कराए जाने वाले नाली इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उदघाटन किया।

कृष्णा नगर बाबू भाग 2 में सागर से नीतू, बलवीर से देवेंद्र व सतीश से राधे के मकान तक डूडा द्वारा कराए जाने वाले 2066236 की लागत से नाली इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उदघाटन किया।

कृष्णानगर बागू भाग 1 में अवतार से अंकुर, रोशन से विनय, गौरव शर्मा से नैन सिंह, संजय से अशोक भानू वाली गली के मकान तक डूडा द्वारा 2365161 की लागत से कराए जाने वाले नाली इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य का उदघाटन किया।

बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर खतरनाक स्टंट, वीडियो वायरल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र से एक खतरनाक वीडियो सोशल मीडिया पर

तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक युवक बिना नंबर प्लेट वाली बाइक पर तेज रफ्तार से स्टंट करता दिखाई दे रहा है।

युवक बार-बार बाइक का बैलेंस बिगाड़ते हुए सड़क पर खतरनाक करतब करता नजर आता है, जिससे न सिर्फ उसकी जान को खतरा था, बल्कि राहगीरों और अन्य वाहनों की सुरक्षा भी दांव पर लग गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के स्टंट आम जनता के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रैफिक नियमों की खुलेआम अनदेखी करके इस तरह सड़क पर जोखिम भरे स्टंट करना कानून से खिलवाड़ है।

लोगों ने पुलिस से मांग की है कि ऐसे युवकों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। पुलिस ने वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, स्टंट करने वाले युवक की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। फिलहाल टीम वीडियो की लोकेशन और बाइक के अन्य सुरागों की तलाश में जुटी हुई है।

ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में ट्रैफिक पुलिसकर्मी की मौत हिस्ट्रीशीटर चालक गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में ट्रैफिक पुलिसकर्मी विपिन कुमार की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब विपिन ड्यूटी पर तैनात थे और एक तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि विपिन कई फीट हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे।

घायल अवस्था में साथी पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक बताई, लेकिन शनिवार को देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हादसे की भयावह तस्वीर साफ दिखाई दे रही है।

सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि एक तेज रफ्तार कार ने पुलिसकर्मी को टक्कर मारी। टक्कर लगते ही पुलिसकर्मी कई फीट ऊपर हवा में उछल गया। सीसीटीवी फुटेज पर तारीख 22 अगश्त और समय शाम 6:18 बजे का दिख रहा है। हादसे के बाद पुलिस के अन्य साथी पुलिसकर्मी के पास दौड़ते हुए दिखाई देते हैं।

पुलिस जांच में पता चला है कि अर्टिगा कार चलाने वाला आरोपी एक हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ बापूधाम थाने में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। घटना के बाद पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर आरोपी वाहन चालक और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया। कार भी बरामद कर ली गई है।

एडीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर एक अर्टिगा कार ने पुलिसकर्मी विपिन कुमार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन शनिवार रात इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

इस मामले में हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज किया गया है। कार को बरामद कर लिया गया है और वाहन चालक व उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच में पता चला कि वाहन चालक हिस्ट्रीशीटर है।

5 लाख में बेचा गया नवजात बरेली से बरामद

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर (नूरपुर) ✷

तीन माह पूर्व कस्बे के एसआर हेल्थकेयर सेंटर में जन्मे गांव छोइया नंगली निवासी दंपती के बच्चे को बरेली के एक दंपती को पांच लाख रुपये में बेच दिया गया था। पुलिस ने बरेली से बच्चे को बरामद कर बाल कल्याण समिति के माध्यम से उसके परिजनों को सौंप दिया।

गांव छोईया नंगली निवासी दिव्यांग करन सिंह की पत्नी रुकमेश ने 13 मई को एसआर हेल्थकेयर सेंटर में बेटे को जन्म दिया था। आरोप है कि अस्पताल के चिकित्सकों ने नवजात को नजीबाबाद के अस्पताल की एक नर्स को एक लाख पांच हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस के अनुसार नर्स ने शिशु को बरेली निवासी एक दंपती को पांच लाख रुपये में बेचा। बच्चे के नहीं मिलने पर करन सिंह ने पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह से मिलकर आपबीती बताई। पूर्व सांसद ने डीएम और पुलिस अधिकारियों से इस संबंध में कार्रवाई के लिए बात की। अधिकारियों के निर्देश पर थाना नूरपुर में अस्पताल की चिकित्सक रीना चौधरी, डॉ. जावेद, डॉ. माहर और नर्स वंदना के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। शनिवार को पुलिस ने बरेली निवासी से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। सीओ देश दीपक ने बताया कि फिलहाल बच्चे को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है।

कोरी समाज ने निकाला जुलूस, झलकारी बाई की प्रतिमा लगाने की मांग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

1857 की क्रांति में अहम भूमिका निभाने वीरांगना झलकारी बाई को

रविवार को कोरी समाज के लोगों ने याद किया।

उनके बलिदान की याद दिलाने के लिए कोरी समाज के लोगों ने जूलूस निकाला और हाथों में पोस्टर बैनर लेकर उनकी जय-जयकार के नारे लगाए। वीरांगना झलकारी बाई के वंशज कहे जाने वाले कोरी समाज ने संगठन के ब्रज प्रांत प्रभारी संजू बजाज और महानगर अध्यक्ष प्रमोद कुमार पप्पी के साथ जुलूस निकाला और वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की।

इस दौरान बताया गया कि देश की स्वतंत्रता के लिए उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कोरी समाज के लोगों ने खैर रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर नगला मसानी से अपना जुलूस शुरू किया और लोगों को वीरांगना झलकारी बाई के प्रति जागरूक किया। हाथों में पोस्टर बैनर लेकर समाज के लोग सराय हकीम स्थित मेयर प्रशांत सिंघल के घर पहुंचे और उन्हें ज्ञापन दिया। मेयर से समाज के लोगों ने मांग उठाई कि शहर में वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापित की जाए। लोगों ने बताया कि गांधी पार्क के पास एक तिकोना पार्क है, जो झलकारी बाई के नाम पर है।

यहां उनकी प्रतिमा लगवाई जाए। वहीं नुमाइश मैदान के पास तहसील चौराहे पर एक शक्ति स्थल भी प्रश्तावित है। कोरी समाज के लोगों का ज्ञापन लेने के बाद मेयर प्रशांत सिंघल ने उन्हें आश्वासन दिया कि जल्दी ही नगर निगम झलकारी बाई की प्रतिमा स्थापित करने का काम करेगी। इसके टेंडर निकाले जाएंगे और इस काम को शुरू कराया जाएगा।

26 को मनाई जाएगी चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की जयंती : कटारिया

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा पंजीकृत (स्थापित- 1908) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं प्रचार मंत्री डॉ० मनोज कुमार कटारिया ने जानकरी देते हुए बताया कि चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जी की जयन्ती भादों माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हर वर्ष मनायी जाती हैं।

लेकिन इस वर्ष भादों माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया 26 अगश्त 2025, दिन मंगलवार को पड़ रही हैं। इसलिए पूरे देश में गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जी की जयन्ती 26 अगश्त, दिन मंगलवार को धूमधाम से मनायी जायेंगी।

गुर्जर महासभा के वरिष्ठ नेता डॉ० एमके कटारिया ने गुर्जर समाज से चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जी

की जयन्ती 26 अगश्त 2025, दिन मंगलवार को अपने-अपने क्षेत्र में हर्षोल्लास एवं धूमधाम से समारोह पूर्वक मनाने की अपील करते हुए कहा कि चक्रवर्ती गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज के जन्मोत्सव का प्रचार-प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में जनजागरण अभियान चलायें, जिससे समाज अपने पूर्वजों एवं महापुरुषों के गौरवशाली इतिहास से रूबरू होकर समाजहित में एकजुटता से काम कर सकें।

डॉ. मनोज कटारिया ने बताया, महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक पुरूषोत्तम पाटील एवं राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बच्चूसिंह बैंसला ने अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के समश्त राष्ट्रीय, प्रदेशीय, क्षेत्रीय एवं जिला श्तरीय पदाधिकारियों से अपने- अपने क्षेत्र में भव्य एवं गरिमामयी समारोह आयोजित कर चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की जयन्ती धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाने का आहवान किया हैं।

ग्राम पंचायत आशिकपुर बुरे उर्फ गोविंदपुर का खलिहान बना निजी चौपाया और ट्रैक्टर स्टैंड

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत आशिकपुर बुरे उर्फ गोविंदपुर में सरकारी खलिहान की भूमि पर खुलेआम कब्जा कर लिया गया है।

यह आरोप किसी मामूली व्यक्ति पर नहीं बल्कि गांव के राशन डीलर कृपाल सिंह पर लग रहा है, जो गांव में सरकारी राशन की सप्लाई करने वाला जिम्मेदार शख्स है। मगर जिम्मेदारी निभाने के बजाय साहबजी ने खसरा नंबर 18 पर अवैध निर्माण खड़ा कर डाला, और अब वहां पशु व कृषि यंत्रों का अड्डा बना दिया है।

सबसे बड़ा सवाल – प्रशासन और अधिकारी कब तक चुप रहेंगे?

ग्रामीणों ने कई बार तहसील प्रशासन और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आज तक कागजी खानापूर्ति से आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई।

खसरा-खतौनी में साफ लिखा है कि यह भूमि खलिहान के नाम दर्ज है, यानी ग्रामीणों की साझा जमीन। लेकिन मिलीभगत और दबाव के चलते आज यह जमीन कब्जेदार राशन डीलर का निजी गोदाम बन चुकी है।

लेखपाल की भूमिका पर गंभीर सवाल इस कब्जे के खेल में हल्का लेखपाल ललित जोशी का नाम भी सामने आया है।

सूत्रों का कहना है कि उनकी मूक सहमति और संरक्षण के बिना इतना बड़ा कब्जा संभव ही नहीं था। जब उनसे फोन पर बात की गई तो उन्होंने खुद माना कि – "सरकारी भूमि पर अवैध खड़ंजा लगाया जा रहा है, मैंने हल्का पुलिस भेजी है।" लेकिन ग्रामीण पूछते हैं कि – "सिर्फ पुलिस भेजना काफी है? आखिर कार्रवाई कब होगी और अवैध कब्जा कब हटेगा?"

ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है

गांव में माहौल गरम है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। यह मामला अब सिर्फ कब्जे का नहीं बल्कि अधिकारियों की मिलीभगत, भ्रष्टाचार और लापरवाही का बन चुका है।

खलिहान की भूमि अगर बचानी है, तो प्रशासन को अब दिखावटी नहीं बल्कि कड़ी कार्रवाई करनी होगी। वरना ग्रामीणों का गुस्सा किसी बड़े आंदोलन में बदल सकता है।

राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय स्काउट-गाइड फेलोशिप सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

धर्म समाज महाविद्यालय के सभागार में जिला स्काउट और गाइड फेलोशिप अलीगढ़ द्वारा राज्य एवं जिला श्तरीय गैदरिंग का ऐतिहासिक आयोजन हुआ।

इस अवसर पर इंडियन स्काउट और गाइड फेलोशिप के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मैक मैकी, राष्ट्रीय महासचिव सीमा राठी, वरिष्ठ सदस्य, मधु कालिया, दीप्ति जैन, उत्तर प्रदेश राज्य अध्यक्ष उमा विश्नोई सहित अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य श्तरीय पदाधिकारी पहली बार सामूहिक रूप से अलीगढ़ पधारे।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मैक मैकी ने भगवान गणेश की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इसके पश्चात स्काउट-गाइड प्रार्थना का मधुर गान किया गया, जिससे वातावरण में एकता, अनुशासन और सेवा का संदेश गूंज उठा। अतिथियों का स्वागत जिला स्काउट और गाइड फेलोशिप अलीगढ़ के अध्यक्ष ईश्वर दास वर्मा और जिला सचिव रईस पाल सिंह ने किया द्य उन्होंने बुके भेंटकर, स्कार्फ पहनाकर तथा पारंपरिक शैली में सभी अतिथियों का अभिनंदन किया।

नगीना नगर पालिका में वर्ष 2025-26 की बजट बैठक आयोजित की गई

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर पालिका परिषद नगीना के सभागार में शनिवार को एसडीएम/कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी रामाश्रय की मौजूदगी में व चेयरपर्सन ताहिरा बेगम की अध्यक्षता व वरिष्ठ लिपिक इक़्तेदार आलम ज़ैदी के संचालन में बजट बैठक आयोजित की गई।

वर्ष 2025-26 की बजट बैठक में 48 करोड़ 29 लाख 57 हज़ार की अनुमानित आय व 43 करोड़ 14 लाख के अनुमानित खर्च व 5 करोड़ 15 लाख के लाभ का बजट बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। बजट में वेतन व्यय,विकास कार्यो आदि का खर्च जिनमें पथ प्रकाश व्यवस्था,सड़क निर्माण, मरम्मत, जल सम्पूर्ति पर व्यय, सफाई उपकरण, मरम्मत, व्यवस्था, आदि शामिल है।

बजट लाभ का बनाया गया। बजट में पथ प्रकाश,जलकर,कर संग्रह, सार्वजनिक निर्माण, स्वास्थ्य सफाई, संविदा पेंशन, अंशदान, भविष्य निधि,खर्च के साथ- साथ आउट सोर्सेज आदि का खर्च भी विवरण पेश किया गया।

इस मौके पर सभासदों द्वारा नगर के सभी वार्डो में सफाई व्यवस्था,पथ प्रकाश व्यवस्था को और चुश्त-दुरुश्त बनाने की मांग की गई।जबकि कुछ सभासदों द्वारा नगर में सड़कों के निर्माण,व लाइट व्यवस्था,व नई लाइटे मंगवाने का प्रश्ताव पेश किया गया।

नगर में घूम रहे छुट्टा पशु, बंदर,कुत्तों को पकड़ कर नगर से बाहर भेजने का प्रश्ताव रखा।व शीतल पेयजल के बंद पड़े फ़्रिज़ो को ठीक कराने की भी मांग रखी एसी शव पलँग,आदि के अलावा सभासदों ने नगर के सौन्दर्यकरण व अन्य कई मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया।इस मौके पर सभासद कपिल पवार,नाहिद परवीन, सुधा रानी, सुनीता, रोहित बिश्नोई, राजकुमार, फरहीन, अंजुम परवीन, निकहत परवीन, शगुफ्ता परवीन, राफिया रईस, मुहम्मद शारिक, शबनम परवीन, मुहम्मद अहमद, बहार फातिमा, सायरा, बृजमोहन, नूर मुहम्मद, मुहम्मद, मुहम्मद असलम, मुहम्मद राशिद, मुहम्मद उस्मान, संजीव दत्त शर्मा, मकसूद अली, अरीब अहमद,व स्वास्थ्य निरीक्षक धीरज रॉय वर्मा, इक़्तेदार आलम ज़ैदी, मुहम्मद तलत, नरेश कुमार, मुहम्मद असलम, मुहम्मद एहकाम, अभिषेक सैनी, इक़रार अहमद, रोहित कुमार, मुहम्मद शारिक, फहद आदि नगर पालिका परिषद के स्टाफ की भी मौजूदगी रही।

लड़की सप्लाई के संदेह में युवक को पीटा

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना रोरावर क्षेत्र के नींवरी इलाके में भीड़ ने एक युवक को लड़की सप्लाई के संदेह में पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी।

लोगों ने बताया कि आरोपी युवक के साथ दो लड़कियां थी और वह उन्हें किसी होटल में लेकर जा रहा था। जब लोगों ने उसे रोककर पूछताछ की तो वह सही से जवाब नहीं दे पाया और भागने की कोशिश की। जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया। वहीं इलाके में जमकर हंगामा हुआ और आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। हंगामे की सूचना पाकर रोरावर थाना प्रभारी विजय सिंह मौके पर पहुंचे और युवक को हिरासत में ले लिया।

लोगों ने युवक की पिटाई कर दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्हें वहां पर लड़कियां नहीं मिली। जिस पर लोगों ने बताया कि लड़कियां मौके का फायदा उठाते हुए वहां से फरार हो गई। वहीं लोगों ने पुलिस को बताया कि आरोपी के मोबाइल में कई लड़कियों के फोटो वीडियो हैं। आरोपी लड़कियों को अपने साथ लेकर आता है और होटलों में सप्लाई करता है।

यहां पर रुपए का लेनदेन करके जिस्म फरोशी का धंधा किया जाता है। वहीं पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया।

लड़कियां सप्लाई करने के आरोपी में लोगों ने राजकुमार उर्फ राज को पकड़कर पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी युवक मूल रूप से बरेली का रहने वाला है और अलीगढ़ में रहकर बस चलाता है।

बीती शाम को वह रोरावर के नींवरी इलाके में जा रहा था और लोगों ने उसे पकड़ लिया। लोगों ने आरोप लगाया है कि युवक के साथ दो लड़कियां थी, जो मौके से फरार हो गई। जबकि युवक का कहना है कि उसके ऊपर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं।

संपादकीय

सनातन की पुनर्स्थापना हेतु मिटाने होंगे दोहरे मापदण्ड

सनातन की दुहाई, वैदिक विधान की परम्परा और हिन्दुत्व का मुद्दा उठाने वालों को सबसे पहले आराधना स्थलों को सुव्यवस्थित करने की दिशा में कदम उठाना चाहिये जहां आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक आधारों पर खुलेआम खाई पैदा की जा रही है। शक्ति पीठों, पौराणिक स्थलों और आस्था के केन्द्रों में आमजन के लिए प्रतिबंधों की लम्बी सूची है किन्तु उन्हीं प्रतिबंधों को प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा उत्तरदायी लोगों के सामने ही खुलेआम धूल-धूसित किया जा रहा है। लगभग सभी पावन स्थलों पर आम और खास के लिए अलग-अलग व्यवस्थायें की गईं हैं जिनमें दर्शन करने, प्रसाद पाने, भेंट प्राप्त करने, अंगवस्त्र मिलने, फोटो खींचने, पूजा करने, प्रतिमा के नजदीक जाने, स्वागत-सत्कार पाने जैसे अनगिनत कृत्य सम्मलित हैं।

आराध्य की एक झलक पाने की लालसा से पंक्ति में खडे श्रद्धालुओं पर प्रभावशाली व्यक्ति का रौब हावी हो रहा है। तीर्थों, धामों, पीठों सहित अन्य पावन स्थलों पर असमानता, अन्याय और दुर्व्यवहार की स्थितियां चरमसीमा पर हैं। भक्ति भाव पर अहंकार का निरंतर प्रहार हो रहा है। कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका से जुडे लोगों के साथ-साथ बाहुबलियों, धनबलियों, भीडबलियों, पहुंचबलियों, जुगाडबलियों आदि के स्वागत में धार्मिक स्थानों का प्रबंध तंत्र न केवल पलक पांवडे बिछाता है बल्कि उनकी प्रत्येक इच्छा की पूर्ति के लिए भी तत्पर रहता है। फोटो प्रतिबंधित, प्रवेश प्रतिबंधित, पूजन प्रतिबंधित, शोर प्रतिबंधित स्थानों पर बलशालियों की मनमानी करने की छूट दी जा रही है। इन्हें गर्भगृह तक के दृश्यों को कैमरों में कैद करने, पुजारी द्वारा विशेष प्रसाद दिलवाने, प्रतिमा की स्पर्श वस्तु प्रदान करवाने जैसे कृत्यों के लिए वहां का तंत्र स्वयं उपस्थित रहता है। ऐसे में आम भक्तों की भावनायें निरंतर आहत होकर आंसू के रूप में प्रकट हो रही हैं। जागरूक नागरिकों द्वारा समान व्यवहार की मांग पर उन्हें प्रबंधन के साथ-साथ प्रशासन तक से दुर्व्यवहार का शिकार होना पडता है।

भावुकता के वशीभूत होकर पंक्तिबद्ध पहुंचने वाले भोले-भाले श्रद्धालुओं को आराध्य के सम्मुख पहुंचते ही धक्के देकर आगे बढा दिया जाता है। वे भर नजर अपने परमात्मा के दर्शन भी नहीं कर पाते हैं। उनका कंठ अवरुद्ध हो जाता है, नेत्र नम हो जाते हैं और हो जाता है मन भारी। अनेक स्थानों पर धर्म के ठेकेदार के रूप में पैत्रिक कब्जा जमाने वालों का अपना अलग ही आतंक है। ज्यादातर श्रद्धा के केन्द्रों पर पहुंचते ही वहां पहले से मौजूद दलालों का आक्रमण होने लगता है। सामान बेचने वालों से लेकर दर्शन कराने का दावा करने वालों तक का प्रहार शुरू हो जाता है।

आगन्तुक को घेराव जैसी स्थिति का सामना करना पडता है। अधिकांश धार्मिक स्थानों पर लम्बे समय से सक्रिय इन गिरोहों का अघोषित कब्जा हो चुका है। अनेक गिरोहों ने संगठन, समितियां और मंच जैसी संस्थायें पंजीकृत कराके वैधता प्राप्त कर ली है परन्तु ज्यादातर लोग स्वतंत्र रूप से अपनी गुण्डागिरी की दम पर ही सक्रिय देखे जा सकते हैं। ज्यादातर आस्था स्थलों पर तो वहां के तंत्र ने ही तीसरी व्यवस्था को मूर्त रूप दे दिया है जिसमें आस्था को धन की तराजू पर तौला जाता है। विशिष्ट दर्शन, विशिष्ट प्रसाद, विशिष्ट पूजा, विशिष्ट सम्मान के लिए अलग-अलग शर्तों पर अलग-अलग धनराशियां तक निर्धारित कर दीं गईं है ताकि अहंकार में डूबे धनपशुओं को आराध्य के दरबार में भी विशिष्टता प्राप्त हो सके। इस संबंध में तर्क प्रस्तुत करते हुए वहां का तंत्र स्थान की व्यवस्था हेतु धनसंग्रह का आधार प्रस्तुत करता है परन्तु अधिकांश स्थानों पर स्वेच्छा से भारी धनराशि दान में निरंतर प्राप्त हो रही है, उन स्थानों के तंत्र का धनसंग्रह वाला तर्क गले नहीं उतरता।

आस्थावालों में चल रही इस विभाजनकारी व्यवस्था ने हिन्दुत्व की एकता वाले नारे की धज्जियां उडाकर रख दी हैं। राजनैतिक दलों द्वारा जातिवाद के हथियार से वैमनुष्यता की खाई खोदना शुरू कर दी है। आरक्षण की माला से अयोग्यता का राज्याभिषेक हो रहा है। पैसों की धूल से कानून दफन किया जा रहा है। निरीहों पर जुल्म करके सबलता द्वारा विलासता के हिंडोले पर पैंगे बढाई जा रही है। धर्म निरपेक्षता की आड में जनसंख्यात्मक असंतुलन पैदा किया जा रहा है। अभिव्यक्ति की स्वाधीनता के नाम पर उत्तेजक संवादों की बाढ सी आ गई है। इन सभी कारकों का शिकार केवल और केवल सनातन धर्मावलम्बियों को ही बनाया जा रहा है। उनके पवित्र स्थानों, पवित्र ग्रन्थों, पवित्र आचरणों, पवित्र पर्वों, पवित्र त्यौहारों, पवित्र मान्यताओं पर निरंतर हो रहे कुठाराघात में वर्णशंकरों की एक बडी जमात शामिल है, जो समानता का राग अलाप कर परम्परागत मान्यताओं को समाप्त करने में लगी है। कभी न्यायालयों के दरवाजों पर दस्तक दी जाती है तो कभी आक्रान्ताओं के इतिहास की दुहाई दी जाती है। कभी बहुसंख्यकों का जुल्म बताया जाता है तो कभी अल्पसंख्यकों की निरीहता निरूपित की जाती है। हमारे घर के अन्दर बैठे जयचन्द ही जब परिवारजनों को खण्ड-खण्ड करने का बीडा लिये बैठे हैं तब उन्हें विरोधियों का साथ तो बिना मांगे प्राप्त होना, स्वाभाविक ही है। धार्मिक स्थानों की पारदर्शी व्यवस्था के लिए जन्म के आधार सनातन का कबाडा ओढने वाले ही सबसे बडे अवरोध बनकर खडे हो जाते हैं जिन्हें स्वयंभू बुद्धिजीवियों की एक जमात का साथ, कुछ राजनैतिक दलों का समर्थन और विदेश में बैठे षडयंत्रकारियों से पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है।

ऐसे में पैसों की दम पर पीआर का सहारा लेकर अनेक धर्माचार्यों की लोकप्रियता का ग्राफ रातों रात आसमान पर पहुंचा दिया जाता है। उनके प्रायोजित विशेष साक्षात्कारों की बाढ सी आ जाती है जो कभी आयातित जीप में लिये जाते है तो कभी हेलीकाप्टर में, कभी नदी के किनारे पर नयनाभिराम दृश्यों के मध्य होते हैं तो कभी गांव की गलियों में, कभी विदेशी धरती पर संकलित किये जाते हैं तो कभी आलीशान बंगलों में। यही लोग धर्म के स्वयंभू कर्णधार बनकर समस्याओं से जूझने वालों को अपने चमत्कार के तिलिस्म में फंसाकर धनार्जन का नया कारोबार शुरू कर देते हैं। सनातन की पुनर्स्थापना हेतु मिटाने होंगे दोहरे मापदण्ड तभी एकता के सूत्र में बंध सकेगा राष्ट्र, अन्यथा सनातन के कथित ठेकेदारों द्वारा निहित स्वार्थों की बलिवेदी पर वैदिक ज्ञान की आहुति होते देर नहीं लगेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

वॉटरशेड: साकार होता विकसित भारत का सपना

शिवराज सिंह चौहान

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का राश्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है।

आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का श्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं।

उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, ‘प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना’ के तहत ‘वॉटरशेड विकास घटक (डब्लूडीसी-पीएमकेएसवाई)’ को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा।

यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- "खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में"। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं। इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का श्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8% से लेकर 70% तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने ₹20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल श्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी 50,000 से 60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी 1 लाख से 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है।

इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रोज़गार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा नए इलाक़े में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16% का इज़ाफ़ा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12% बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिश्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने ‘वॉटरशेड यात्रा’ भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। ‘भुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)’ और ‘दृष्टि’ मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5% की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16% की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि केवल सरकार नहीं, समाज की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। उसी सोच के तहत ‘वॉटरशेड यात्रा’ जैसी पहल से इस योजना को जन-जन तक पहुँचाया गया है और यह एक जनांदोलन बन चुका है। यह भारतीय किसानों की मेहनत और बदलते भविष्य की कहानी है। जब जल और मिट्टी सुरक्षित होंगी, तभी भारत सुरक्षित रहेगा। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गाँवों की धरती समृद्ध होगी और किसान खुशहाल होंगे। आइए, मिलकर जल और माटी के इस रक्षा संकल्प को आगे बढ़ाएं।

(लेखक केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

‘चुनावी प्रचार सोशल मीडिया पर, तो विधानसभा क्यों नहीं?‘

यदि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित करना प्रतिबंधित है तो फिर नेताओं और दलों को भी चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं करना चाहिए। आज वोट माँगने के लिए रैलियों और टीवी के साथ-साथ फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाता है। ऐसे में केवल सदन की कार्यवाही को रोकना अनुचित प्रतीत होता है। लोकतंत्र में नियम सबके लिए समान हों, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सकता है। भारत में 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 45 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। टीवी दर्शकों की संख्या घट रही है और लोग मोबाइल पर सीधे समाचार देखना पसंद करते हैं। विधानसभा की कार्यवाही केवल टीवी चैनलों तक सीमित करने का निर्णय लोकतांत्रिक पारदर्शिता को सीमित कर सकता है। बेहतर उपाय यह होगा कि विधानसभाएँ अपने आधिकारिक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म बनाएँ, जहाँ कार्यवाही का सम्पूर्ण और सत्य प्रसारण हो। इस तरह सदन की गरिमा भी बनी रहेगी और जनता को सूचना तक पहुँच का अधिकार भी मिलेगा।

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताक़त उसकी पारदर्शिता और जनता की भागीदारी में निहित है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करती हैं और वही स्थान हैं जहाँ नीतियाँ, कानून और जनहित से जुड़े अहम मुद्दे तय किए जाते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही तक जनता की पहुँच किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी ज़रूरत कही जा सकती है।

हाल ही में हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और वेब चैनलों पर अब विधानसभा की कार्यवाही का प्रसारण नहीं किया जाएगा, कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यह फैसला पारदर्शिता को सीमित करने वाला है या फिर सदन की गरिमा को बचाने वाला-यही इस संपादकीय का मूल प्रश्न है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई क्रांति ला दी है। पहले जहाँ लोग टीवी समाचार चैनलों या अख़बारों के भरोसे रहते थे, वहीं अब फेसबुक लाइव, यूट्यूब स्ट्रीमिंग और ट्विटर अपडेट्स से उन्हें तुरंत जानकारी मिल जाती है। विधानसभा या संसद जैसी संस्थाओं की कार्यवाही अब केवल दीवारों के भीतर सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे जनता के मोबाइल स्क्रीन पर पहुँचने लगी।

यह बदलाव सकारात्मक भी था। आम नागरिक, खासकर युवा, लोकतांत्रिक विमर्श से जुड़ने लगे। उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि उनके चुने प्रतिनिधि सदन में उनके मुद्दों पर किस तरह की बहस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक पहलू भी सामने आए। कई बार सदन की गंभीर बहस के छोटे-छोटे अंश निकालकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए, जिनका प्रयोग राजनीतिक प्रचार, व्यंग्य या ग़लतफ़हमियाँ फैलाने के लिए किया गया। नतीजतन, कार्यवाही का वाश्तविक उद्देश्य पीछे छूट गया और विवादों ने ज़्यादा सुर्ख़ियाँ बटोरीं।

हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हरिविंद्र कल्याण का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होते वीडियो-संदेशों ने सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। कई बार असंसदीय शब्दों, हंगामों और कटाक्षों के छोटे-छोटे हिस्सों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, जिससे जनता तक केवल नकारात्मक छवि ही पहुँचती है।

उन्होंने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से केवल मान्यता प्राप्त टीवी चैनल ही कार्यवाही का सीधा प्रसारण कर सकेंगे, जबकि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर लाइव या रिकॉर्डिंग डालने पर सख़्त प्रतिबंध रहेगा। उनका तर्क यह भी है कि सदन की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और अंशों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करना सीधा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए इस पर रोक लगाना आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि यह तर्क सतही तौर पर सही प्रतीत होता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से कई प्रश्न भी खड़े करता है। विधानसभा जनता के टैक्स से चलती है, और वहाँ की हर गतिविधि का सीधा संबंध नागरिकों से है। ऐसे में सूचना तक पहुँच को सीमित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी टीवी नहीं देखती।

वह यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सक्रिय है। यदि केवल टीवी चैनलों तक कार्यवाही सीमित कर दी जाएगी, तो एक बड़ी आबादी लोकतांत्रिक विमर्श से वंचित रह जाएगी। जब केवल चुनिंदा माध्यमों को अनुमति होगी, तो यह संदेश जाएगा कि सूचना पर नियंत्रण किया जा रहा है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही कमज़ोर होगी।

भारत में 82 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं।लगभग 45 करोड़ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि) पर सक्रिय हैं। टीवी देखने वालों की संख्या घट रही है, जबकि मोबाइल पर समाचार देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद टीवी और राज्य विधानसभाओं के चैनल बहुत कम दर्शकों तक पहुँच पाते हैं, जबकि यूट्यूब पर एक लाइव स्ट्रीम लाखों दर्शक जुटा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोकतंत्र में डिजिटल पारदर्शिता ही जनता का विश्वास बनाए रखने का सबसे बड़ा साधन है।

टीवी चैनल अब भी सीमित वर्ग तक ही पहुँचते हैं, जबकि सोशल मीडिया की पहुँच गाँव-गाँव और युवाओं तक है। भारत जैसे देश में जहाँ डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहाँ सूचना को केवल टीवी चैनलों तक सीमित करना समय की माँग से मेल नहीं खाता। आज की राजनीति और समाज का बड़ा विमर्श ट्विटर ट्रेंड्स और यूट्यूब डिबेट्स में ही आकार लेता है। यह सही है कि सदन की कार्यवाही को असंदर्भित तरीके से सोशल मीडिया पर फैलाना उचित नहीं। कई बार मज़ाक या राजनीतिक हमले के लिए हिस्से काटकर वायरल कर दिए जाते हैं। इससे जनता तक अधूरी और ग़लत तस्वीर पहुँचती है। लेकिन समाधान यह नहीं कि पूरी तरह से रोक लगा दी जाए।

बेहतर उपाय यह हो सकता है कि विधानसभा खुद एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए। वहाँ से कार्यवाही का सम्पूर्ण और बिना संपादन वाला प्रसारण किया जाए। साथ ही स्पष्ट नियम बनाए जाएँ कि अन्य लोग इस आधिकारिक कंटेंट को संदर्भ बदलकर नहीं इश्तेमाल कर सकते। इस तरह मर्यादा भी बनी रहेगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में संसद और विधानसभा की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जनता तक पहुँचाई जाती है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अपनी संसद की कार्यवाही को ऑनलाइन सुलभ कर रखा है।

वहाँ भी असंसदीय शब्द या हंगामे होते हैं, लेकिन फिर भी जनता को सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है ताकि लोकतंत्र में विश्वास बना रहे। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहाँ युवा वर्ग राजनीतिक चेतना की ओर बढ़ रहा है, वहाँ सोशल मीडिया पर रोक लगाना पीछे की ओर कदम उठाने जैसा है।

तकनीक अपने आप में न तो अच्छी होती है न बुरी, उसका उपयोग ही उसे अर्थ देता है। विधानसभा कार्यवाही के सोशल मीडिया पर प्रसारण को पूरी तरह बंद करना एक तरह से तकनीक की शक्ति को नकारना है। बेहतर होगा कि इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएँ-केवल आधिकारिक चैनलों से लाइव प्रसारण हो। कार्यवाही से हटाए गए अंश प्रसारित न किए जाएँ। संदर्भ से हटाकर बनाए गए वीडियो पर दंडात्मक कार्रवाई हो। मीडिया और जनता के बीच संवाद बना रहे।

यदि विधानसभा की ओर से एक केंद्रीयकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया जाए, तो जनता को सीधे और बिना कटे-फटे कंटेंट तक पहुँच मिलेगी। इससे न तो गलतफहमियाँ फैलेंगी और न ही सदन की मर्यादा को ठेस पहुँचेगी। इसके अलावा यह कदम युवाओं को लोकतांत्रिक विमर्श से जोड़ने का भी सबसे सरल और सशक्त माध्यम साबित होगा।

लोकतंत्र की सफलता जनता की भागीदारी और पारदर्शिता पर निर्भर करती है। विधानसभा केवल विधायकों की नहीं, बल्कि जनता की भी संस्था है। ऐसे में उसकी कार्यवाही तक जनता की सहज पहुँच लोकतंत्र की सेहत के लिए आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष का यह निर्णय सदन की गरिमा बचाने की कोशिश है, लेकिन इसमें पारदर्शिता की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

सही राश्ता यही है कि मर्यादा और पारदर्शिता, दोनों के बीच संतुलन साधा जाए। सोशल मीडिया पर रोक लगाने के बजाय इसे सुव्यवस्थित किया जाए, ताकि न केवल लोकतंत्र की गरिमा बनी रहे, बल्कि नागरिक भी अपने प्रतिनिधियों के कार्यकलापों से पूरी तरह परिचित रह सकें। यही स्वस्थ लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान होगी।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

ललित गर्ग

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है।

लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ।

राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहार्द की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेश्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है।

लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है।

गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मर्यादा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है।

सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है।

भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है।

उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं।

ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से राश्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी।

संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है।

यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है।

यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है।

जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है।

चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी।

लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बर्बादी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है।

पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है।

संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

अलग-अलग थाना क्षेत्र से चार अभियुक्त गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित व वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना टप्पल पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त बबलू उर्फ राजकुमार पुत्र देवी सिह निवासी ग्राम मौर थाना टप्पल जनपद अलीगढ़ काएक चाकू के साथ ग्राम मौर के जाने के वाले राश्ते से गिरफ्तार किया।

थाना अकराबाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त संदीप पुत्र राकेश कुमार निवासी नगला आशा थाना अकराबाद जनपद अलीगढ़ को सट्टा करते हुए एक पर्चा सट्टा गत्ता, एक पेन व 710 रुपये के साथ अधौन मोड़ से नगला पतेल के मोड के पास से गिरफ्तार किया तो वहीं अभियुक्त सुरजीत पुत्र मेघ सिह निवासी नगला पूसा थाना अकराबाद जनपद अलीगढ़ को एक पर्चा सट्टा गत्ता व एक पेन व 620 रुपये के साथ हाइवे से अधौन जाने वाले राश्ते पर गेट के पास से गिरफ्तार किया। तो वहीं थाना हरदुआगंज पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त मुन्नु उर्फ निजामुद्दीन पुत्र स्व0 अलाउद्दीन निवासी ग्राम बुढासी थाना हरदुआगंज को माछुआ पुल के पास से गिरफ्तार किया।

बीच सड़क पर महिला को पकड़-पकड़कर पीटा, दबंगों पर छेड़छाड़ व लूट का लगाया आरोप

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

बन्नादेवी थाना क्षेत्र के सारसौल इलाके में एक महिला के साथ सरेराह मारपीट का मामला सामने आया है। इलाके में ही रहने वाले एक आरोपी ने महिला के साथ बुरी तरह से मारपीट की। जिसके बाद महिला ने शोर मचाया और जैसे तैसे आरोपी से अपनी जान बचाई। वहीं मारपीट की यह घटना इलाके में लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना के बाद रविवार को महिला ने बन्नादेवी थाने पहुंचकर पुलिस से मामले की शिकायत की है। वहीं महिला ने आरोपी पर छेड़छाड़ और लूटपाट का आरोप भी लगाया है। घटना की शिकायत होने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने बताया कि वह एक ब्यूटी पार्लर में काम करती है। चार दिन पहले 20 अगश्त को वह रात में पार्लर से काम करके अपने घर वापस लौट रही थी। इसी दौरान इलाके में ही रहने वाला दबंग आरोपी उसे मिल गया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपी ने उसके कपड़े पकड़कर खींचे और लूटपाट भी की। वहीं महिला का आरोप है कि उसने घटना की शिकायत तत्काल पुलिस से की थी, लेकिन उसकी सुनवाई नहीं की गई। अब महिला ने पुलिस अधिकारियों से मिलकर सारे मामले की शिकायत की है और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है।

घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सारे मामले की सीसीटीवी फुटेज भी दिए हैं। जिसमें आरोपी राश्ते में बैठा नजर आ रहा है। जब महिला वहां से गुजरी तो आरोपी ने उसे रोक लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। महिला जैसे-तैसे खुद को आरोपी से बचाती नजर आ रही है।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

एसएसपी संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समश्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समश्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

एक करोड़ हैं, पूरा रख लो, केस रफा-दफा करो..,

पहली बार मिली इतनी बड़ी रिश्वत; आगरा का दवा व्यापारी अरेस्ट

आगरा , एजेंसी। आगरा में नकली, सैंपल और नशे की दवाओं का बाजार खूब फल-फूल रहा है। कहीं फैक्टरी पकड़ी जा चुकी है तो कहीं दवा के सप्लायर गिरफ्तार किए गए। इसके बावजूद इस अवैध कारोबार पर रोक नहीं लग सकी है। टीम का कहना है कि पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी स्पेशल फोर्स को एक करोड़ की रिश्वत दी गई। न मानने पर रकम को 2 करोड़ तक कर देने की बात भी कही गई।इतनी बड़ी रकम तभी दी जा सकती है, जब कारोबार से मोटा मुनाफा हो रहा होगा। एसटीएफ ने आरोपी को पकड़ने के बाद नोटों की गिनती के लिए थाने में ही मशीन को मंगाया। कारोबारी इतना पैसा एकदम कहां से लेकर आया? यह भी पता किया जा रहा है। कार्रवाई से पूरे दवा बाजार में खलबली मची है।

एसटीएफ के निरीक्षक यतेंद्र शर्मा के मुताबिक, हेमा मेडिको के संचालक की दो और फर्म हैं। दवाओं की बिक्री आगरा सहित आसपास के जिलों में भी है। जो माल बरामद हुआ, उनमें चार कंपनियों का माल है।

संचालक हिमांशु अग्रवाल से टीम ने यह जानने

का प्रयास किया कि अवैध कारोबार में और कितने लोग शामिल हैं? पूरा माल कहां से आता है? क्यूआर कोड कहां से लगाए जाते हैं? माल किन फैक्टरी में तैयार किया जा रहा है? इस खेल के पीछे मास्टरमाइंड कौन है? उसने एसटीएफ को पेशकश की थी कि रिश्वत लेकर उसे छोड़ दिया जाएगा तो वह पूरे खेल को उजागर कर देगा। 2 करोड़ तक वह रकम दे सकता है? यह सुनकर टीम के भी होश उड़ गए। इस पर उसे रंगे हाथ पकड़ने का निर्णय लिया गया।

पुलिस ने छापेमारी में पकड़े गए माल की जांच के लिए दवाइयों की कंपनियों के प्रतिनिधियों को बुलाया था। उन्होंने क्यू आर कोड की जांच की। मगर यह असली जैसे नजर आए। दवा की पैकिंग भी उनकी कंपनी जैसी ही लग रही थी। मगर उन्होंने इन दवाओं की कंपनी से बिक्री होने की पुष्टि नहीं की। इस वजह से औषधि विभाग और कंपनी प्रतिनिधियों की ओर से भी केस की तैयारी की गई है। देर रात 3 तहरीर लिखी जा रही थी।

पूरे मामले का एक-एक अपडेट लखनऊ में बैठे अधिकारियों को दिया गया है। एडीजी कानून व्यवस्था को भी अवगत कराया गया है। उन्होंने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस पूरे खेल में जिन-जिन लोगों के नाम सामने आएंगे, उन सब की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी हुई है। आरोपी हिमांशु से भी पूछताछ की जा रही है, जिससे अन्य लोगों के बारे में पुख्ता जानकारी मिल सके और कार्रवाई की जा सके।

एसटीएफ और औषधि विभाग की टीम ने फव्वारा स्थित बंसल मेडिकल एजेंसी और हेमा मेडिकल स्टोर व चार गोदामों पर छापा मारा। जांच में हेमा मेडिको और इसके गोदाम से 2.43 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त की हैं। शुक्रवार को 80 लाख रुपये की दवाएं जब्त की थीं। एक मेडिकल स्टोर और तीन गोदामों की रविवार को जांच होगी।

कार्रवाई रोकने के लिए हेमा मेडिकल स्टोर के संचालक ने एसटीएफ निरीक्षक और सहायक आयुक्त औषधि बस्ती को एक करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की। रकम कम लगने पर दोगुना करने की भी बात कही। इस पर टीम ने आरोपी दवा कारोबारी को रंगेहाथ गिरफ्तार कर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। देर रात तक तीन और केस दर्ज किए जा रहे थे। चार नामी कंपनी के नाम पर नकली दवाओं की बिक्री की शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची थी। सीएम के निर्देश पर एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश, एफएसडीए के आयुक्त राजेश कुमार और अपर आयुक्त रेखा एस.चौहान के नेतृत्व में औषधि विभाग और एसटीएफ के आलाधिकारियों की टीम बनाई गई। टीम ने शुक्रवार को फव्वारा स्थित बंसल मेडिकल एजेंसी और हेमा मेडिकल स्टोर और चार गोदामों पर छापा मारा। दवाओं का भंडारण और सीमित स्टाफ को देखते हुए इनको सील कर दिया था।

इंसानियत शर्मसार...दो घंटे जाम में फंसी रही शवयात्रा, गुहार लगाने पर भी नहीं दिया अर्थी को रास्ता

आगरा , एजेंसी। आगरा के रुनकता में आस्था और व्यवस्था के टकराव ने शनिवार को इंसानियत को शर्मसार कर दिया। रुनकता के रेणुका धाम स्थित शनिदेव मंदिर में शनि अमावस्या पर जुटी अपार भीड़ ने एक शवयात्रा की राह रोक दी। मोक्ष की डगर पर अंतिम सफर तय कर रहे पनवारी गांव के भारत सिंह (80) की अर्थी जाम में दो घंटे तक फंसी रही। परिजन भीड़ से निकलने के लिए जूझते रहे। काफी मशक्कत के बाद परिवार के दो लोगों ने अर्थी को कंधे से उठाकर सिर पर रखा और धीरे-धीरे जाम से बाहर निकले। इसके बाद बुजुर्ग का अंतिम संस्कार हो सका।

शनिवार को शनि अमावस्या थी। ऐसी मान्यता है कि इस दिन शनिदेव की आराधना का विशेष फल मिलता है। लिहाजा शनि मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। दोपहर करीब 12 बजे तक मंदिर मार्ग पर जाम के हालात बन गए। एक ओर गाड़ियों की कतार लगी थी तो दूसरे ओर श्रद्धालुओं की भीड़। हजारों की संख्या में श्रद्धालु आराधना के लिए पहुंचे थे। मंदिर से लेकर मार्ग तक श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइनें लगी थीं।

इसी बीच पनवारी गांव के भारत सिंह की अंतिम यात्रा मोक्षधाम जाने के लिए निकली। जाम के चलते यात्रा रास्ते में फंस गई। परिजन बार-बार रास्ता दिलाने की गुहार लगाते रहे लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। सब अपनी पूजा में व्यस्त रहे। इस दौरान जब परिजन परेशान हो गए और कोई रास्ता नहीं सूझा तो उन्होंने अर्थी को कंधे से उठाकर सिर पर रखा और धीरे-धीरे भीड़ को पार किया।

गांव के पूर्व प्रधान रणवीर सिंह ने बताया कि परिजन शव को जाम से निकालने के लिए जूझते रहे और दो घंटे बाद मोक्षधाम पहुंच पाए। मंदिर कमेटी की अध्यक्ष आशा धाकरे ने कहा कि प्रशासन को पहले ही अवगत करा दिया गया था कि शनि अमावस्या पर भारी भीड़ उमड़ेगी। इसके बावजूद पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं किया गया, जिससे जाम की स्थिति बनी और शवयात्रा जाम में फंस गई।

कहां से हुई हैकिंग: तीन कंप्यूटरों पर खुलती थी पंचायत सचिव की आईडी, पता करने में लगी साइबर टीम

अलीगढ़ , एजेंसी। ग्राम पंचायत दत्ताचोली बुजुर्ग के जिस पंचायत सचिव की आईडी को हैक कर हैकरों ने यूपी सहित 10 राज्यों के 597 फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए हैं, यह आईडी खुद पंचायत सचिव द्वारा तीन अलग-अलग कंप्यूटरों से लॉगिंन की जाती थी। अब किस कंप्यूटर से आईडी हैक हुई। इसका पता लगाने के लिए साइबर टीम डेटा निकालने में लगी है।

ग्राम पंचायत दत्ताचोली बुजुर्ग के सचिव नागेंद्र सिंह को 23 अगस्त को साइबर सेल में बातचीत के लिए बुलाया गया। इस बातचीत में उनसे पता चला कि वे अपनी आईडी को अपने पंचायत कार्यालय के सरकारी कंप्यूटर के अलावा अपने निजी कंप्यूटर व अपने कमरे में साथ रहने वाले एक अन्य पंचायत सचिव के कंप्यूटर पर भी खोल लेते थे। उन्हें तीनों जगह विश्वास था कि कहीं गड़बड़ी नहीं होगी। मगर इसके बाद भी उनकी आईडी हैकरों ने हैक कर ली।अब साइबर टीम तीनों कंप्यूटरों के जरिये हैकिंग का डेटा निकालने में जुटी है। इसके अलावा नागेंद्र सिंह ने घटना से जुड़े सभी बिंदुओं के बारे में जानकारी दी। नागेंद्र सिंह ने बताया कि अलग-अलग मोबाइल नंबर से आने वाले कॉल के स्क्रीन शॉट्स दिखाए। अफसर ने पूछा कि कैसे घटना हुई? इसकी जानकारी किसको और कहां दी? बता दें कि 15 अगस्त को जन्म-मृत्यु पंजीकरण की आईडी हैक करके हैकरों ने पांच दिन में उत्तर प्रदेश सहित दस राज्यों के लोगों के 597 जन्म प्रमाण पत्र बना लिए, जबकि 150 जन्म प्रमाण पत्र अप्रूव नहीं हो सके।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र आईडी हैक करके यूपी सहित दस राज्यों के 597 लोगों के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी होने के बाद भी जिले के कुछ पंचायत सचिव सबक नहीं ले रहे हैं। ब्लॉक बिजौली की ग्राम पंचायत दत्ताचौली बुजुर्ग में पंचायत सचिव नागेंद्र सिंह की आईडी को हैकरों ने हैक कर लिया था।

पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही भाजपा... अखिलेश यादव ने आरोपों पर दिया बयान

लखनऊ, एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही है। पूजा पाल को बताना चाहिए कि उन्हें किससे जान का खतरा है? अभी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। अखिलेश यादव उन आरोपों पर बयान दे रहे थे जिसमें विधायक पूजा पाल ने कहा था कि उन्हें जान का खतरा है और अगर उन्हें कुछ हो गया तो इसके जिम्मेदार सपा और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव होंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ में सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग फ्रस्टेट हो गए हैं इसीलिए अमर्यादित

हरकतें कर रहे हैं। अभी बलिया में बिजली विभाग के कार्यालय में घुसकर एक दलित समाज से आने वाले इंजीनियर को जूतों से पीटा। उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कुछ समय बाद इनके नेताओं के हाथों में जूता ही नजर आएगा।

वोटर अधिकार यात्रा में जाएंगे

सवाल पूछे जाने पर कि क्या वो बिहार में हो रही वोटर अधिकार यात्रा में जाएंगे? इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि ये यात्रा इंडिया गठबंधन की है। हम इसमें जरूर जाएंगे। जल्द ही कार्यक्रम जारी हो जाएगा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने गृहमंत्री को लिखा पत्र

सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक पूजा पाल के जान का खतरा होने के आरोप पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है कि मामले की पूरी जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि सपा ने पूजा पाल का मुश्किल समय में साथ दिया था। ऐसे में उन्हें किससे जान का खतरा है इसकी जांच करवाई जाए।

रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

सावन कृपाल रूहानी मिशन की अलीगढ़ शाखा की ओर से महेंद्र नगर स्थित कृपाल आश्रम पर परम संत कृपाल सिंह महाराज की याद में सातवें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में लगभग 56 यूनिट रक्त लोगों ने इच्छा रूप से दान किया। शिविर का मुख्य उद्देश्य दुर्घटनाग्रश्त हुए भाई-बहनों को रक्त की पूर्ति कराने के साथ-साथ लोगों के हृदय में रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करना हैं। शिविर में आये अनेक लोगों ने मिशन द्वारा मानव कल्याण के लिए लगाए जा रहे इस शिविर की प्रशंसा की।

प्रवक्ता ने बताया कि हमारे रक्त का एक अंश किसी भी परिवार का वंश बचा सकता है, इसलिए हमें इसके लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। रक्तदान करने का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि आज के आधुनिक जीवन की भाग दौड़ भरी जिंदगी में अनेक दुर्घटनाएं हमारे साथ घटित होती रहती हैं, कि पीड़ति व्यक्ति को रक्त की बहुत आवश्यकता होती है। अगर हम रक्तदान करते है तो न सिर्फ हम इससे पीड़ति व्यक्ति के प्राणों की रक्षा करते है बल्कि उसके परिवार से मिली असंख्य शुभकामनाओं से अपने जीवन में भी खुशहाली ला सकते हैं। संत राजिंदर सिंह महाराज के सानिध्य में कार्यरत सावन कृपाल रूहानी मिशन में मानव सेवा के कल्याण हेतु अनेक कार्य किये जाते है, जैसे समय समय पर रक्तदान शिविरों के साथ साथ मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविरों का भी आयोजन किया जाता है।

क्षत्रियों के नाम पर हजारों संगठन कार्य कर रहे हैं: सिंह

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अलीगढ़ के संरक्षक मण्डल की एक बैठक ड्रगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह टिल्लू के संयोजन में रामघाट रोड स्थित पराग रेस्टोरेंट में हुई जिसकी अध्यक्षता रामवीर सिंह ने की।

संगठन के जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने संरक्षक मण्डल के सभी सदस्यो के सामने संगठन द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों के विषय में बताया तथा संगठन द्वारा प्राप्त धन और उसके खर्चे का ब्यौरा सभी के सामने प्रश्तुत किया। डॉ नरेश सिंह ने कहा कि हमें प्रयास करके सभी को एक मंच पर आकर विजय दशमी जैसे बड़े आयोजनों को एकजुटता के साथ बड़े संगठन के साथ जुड़कर एवं बड़े संगठन के पदाधिकारियों को छोटे संगठन के पदाधिकारियों से बात करनी चाहिए।

ब्लॉक प्रमुख हसायन डी पी सिंह ने कहा कि हम क्या थे और अब क्या हो गए इस पर विचार करना चाहिए और हमें अपने युवाओं को विकारों से दूर रहने का कार्य करना चाहिए। विजय कुमार सिंह ने कहा कि समाज के आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को संगठन का और समाज के गरीब लोगों की मदद मैं आगे आना होगा।

ब्लॉक प्रमुख लोधा हरेंद्र सिंह ने कहा कि आज का समय कलम की ताकत का है इसलिए अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष दिनेश सिंह ने कहा कि हमें अपना वर्ग विभाजन रोकना होगा और क्षत्रिय शब्द के नीचे कार्य करना होगा।

मुन्ना ठाकुर ने कहा कि क्षत्रिय ने हमेशा सभी की सहायता की है संगठन और समाज दोनों को अपनी वोट की ताकत दिखानी चाहिए।

प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर शैलेंद्र सिंह ने कहा कि क्षत्रियों के नाम पर प्रदेश में हजारों संगठन कार्य कर रहे हैं जिनका मुख्य उद्देश्य राजनैतिक हित प्राप्त करना है उन्हें समाज की कोई चिंता नहीं है ऐसे अध्यक्ष भी बने बैठे है जो सांसद रहते हुए एस सी एस टी एक्ट पारित करने पर संसद में विरोध नहीं करते अपने परिवार को राजनीति में स्थापित कर समाज की आंखों में धूल भर रहे हैं।

हमारे लिए समाज हित एवं गरीब हित सर्वोपरि होना चाहिए। कार्यक्रम में रामरक्ष पाल सिंह सेंगर, राजकुमार चौहान, प्रवीण सिंह, दीपेन्द्र सिंह, इंज बी पी सिंह, सुधा सिंह, राजपाल सिंह, अखिलेश तोमर एवं अजीत पाल सिंह राघव ने अपने विचार रखे एवं संगठन को आगे बढ़ाने में सहयोग के लिए सुझाव दिए।

कार्यक्रम का संचालन राजकुमार सिंह ने किया एवं संरक्षक मण्डल का आभार मण्डल अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह व्यक्त किया। कार्यक्रम में अश्वनी सिंह शेर पाल सिंह, उपेन्द्र सिंह, विवेक सिंह, जतिन, हरीश प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी बोले- लंगर मानवता का प्रतीक, सनातन धर्म की रक्षा के लिए सिख गुरुओं ने किया सर्वस्व बलिदान

गोरखपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा और समाज को अधर्म के खिलाफ खड़ा करने में सिख गुरुओं का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने अपने प्राणों तक का बलिदान कर इस देश की संस्कृति और मूल्यों की रक्षा की। यह परंपरा आज भी हमें प्रेरित करती है।

सीएम रविवार को पैडलेगंज स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा में विकास कार्यों के लोकार्पण अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं का जीवन त्याग और समर्पण की मिसाल है। चाहे गुरु अर्जुन देव का बलिदान हो या गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों की शहादत, हर प्रसंग यह बताता है कि सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए उन्होंने कभी पीछे हटना नहीं सीखा।

यही कारण है कि आज भी पूरा देश सिख गुरुओं को नतमस्तक होकर याद करता है। योगी ने गुरुद्वारा की परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि यहां चलने वाला लंगर समाज को समानता और भाईचारे का संदेश देता है। इसमें न कोई जाति देखी जाती है, न धर्म और न ही किसी का चेहरा। जो भी आता है, वह प्रेम और श्रद्धा से लंगर छकता है। यही असली भारतीय संस्कृति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुद्वारे हमेशा समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण के केंद्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गुरुद्वारों और तीर्थ स्थलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

हाईवे पर हैवानियत की कोशिश... एक किमी तक चीखती रही, फिर टेंपो से कूदी महिला, सिर-हाथ और नाक की टूटी हड्डी

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-58 पर शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल्ली निवासी 35 वर्षीय महिला से चलते टेंपो में चालक ने दुष्कर्म की कोशिश की। विरोध करने पर महिला को जान से मारने की धमकी दी। आबरू बचाने के लिए महिला एमआईईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के पास चलते टेंपो से सड़क पर कूद गई।

इससे महिला के सिर, हाथ और नाक की हड्डी टूट गई। पुलिस पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के बाद आरोपी की तलाश रही है। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली के कल्याणपुरी निवासी महिला शनिवार शाम कंकरखेड़ा में किसी नेता के यहां आई थी। पुलिस को महिला ने पूछताछ में बताया कि वह बर्थडे पार्टी के बाद हाईवे से आनंद विहार की सवारी के लिए परतापुर तक टेंपो में सवार हुई थी। टेंपो में कोई और यात्री नहीं था। चालक ने उसे आगे अपने बराबर में बैठने के लिए कहा। महिला चालक के बराबर में बैठ गई। कुछ दूर चलने पर नशे में धुत टेंपो चालक ने उसके

साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर पीछे से उसकी गर्दन पकड़ ली और दुष्कर्म की कोशिश की।

टेंपो से फेंकने और जान से मारने की दी धमकी : शोर मचाने पर आरोपी ने टेंपो से फेंकने और जान से मारने की धमकी दी। विरोध करने पर चालक ने महिला के साथ मारपीट की। एमआईईटी इंजीनियरिंग कॉलेज के पास स्पीड कुछ कम होने पर महिला चलते टेंपो से हाईवे पर कूद गई। हाईवे पर गिरकर वह लहूलुहान हो गई। हाईवे से गुजर रहे लोगों ने फोन कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गंभीर हालत में महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल के चिकित्सकों के मुताबिक महिला के सिर, हाथ और नाक की हड्डी टूटी है। इसके अलावा भी कई गंभीर चोट हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि आरोपी चालक को तलाश किया जा रहा है। हाईवे के सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। महिला किसके यहां आई थी और नेता किस पार्टी का है। इसकी जानकारी की जा रही है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। महिला के परिजनों को सूचना देकर बुलाया गया।

एक किमी तक चीखती रही... पुलिस मुस्तैदी पर उठे सवाल : इस घटना से रात के समय पुलिस की मुस्तैदी पर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं। महिला का कहना है कि आरोपी टेंपो चालक लगभग एक किमी तक उससे छेड़छाड़ और विरोध पर धमकी देकर मारपीट करता रहा। इस दौरान वह चीखती रही लेकिन किसी ने उसकी चीख नहीं सुनी। इस दौरान सड़क पर कहीं भी पुलिस नहीं दिखाई दी। वारदात के बाद आरोपी सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए भाग गया। पुलिस के मुताबिक, महिला पूछताछ में यह नहीं बता पाई कि वह किस नेता के यहां बर्थडे पार्टी में आई थी। पीड़िता के मुताबिक उसकी एक सहेली ने फोन करके उसे जन्मदिन की पार्टी के लिए आमंत्रित किया था।

महिला बता रही है कि नेता को उसे कुछ रुपये भी देने थे। नेता ने महिला को टेंपो में बैठकर परतापुर पहुंचने और अपने चालक को गाड़ी में पैसे लेकर वहां भेजने की बात कही थी। ये रुपये किस काम के थे, यह भी महिला नहीं बता पाई। पुलिस की जांच में सामने आया है कि वह खड़ौली गांव में आई थी। इसी वर्ष छह मई की रात चलती कार में तीन आरोपियों ने गौतमबुद्धनगर की दो सहेलियों से चलती कार में जिले की सड़कों पर दुष्कर्म का प्रयास किया था। विरोध करने पर आरोपियों ने एक किशोरी को जानी क्षेत्र में टिमकिया गांव के पास चलती कार से फेंक दिया था। इससे किशोरी की मौत हो गई थी।

चेतेश्वर पुजारा ने क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज चेतेश्वर पुजारा ने रविवार (24 अगस्त) को क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। वह भारत की टेस्ट टीम से 26 महीने से बाहर थे। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 के बाद भारतीय टीम से बाहर हो गए थे। इसके बाद भी पुजारा का अचानक संन्यास लेने का फैसला हैरानी भरा है।

बीते सप्ताह खबर आई थी कि वह घरेलू क्रिकेट के आगामी सत्र के लिए सौराष्ट्र के लिए खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। पुजारा ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक नोट लिखकर क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। इस पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करना - इसका असली मतलब शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। लेकिन जैसा कि कहा जाता है हर अच्छी चीज का अंत होता है और अपार कृतज्ञता के साथ मैंने भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है।

चेतेश्वर पुजारा का आईपीएल करियर

चेतेश्वर पुजारा ने इंडियन प्रीमियर लीग में 4 टीमों किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व किया। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उन्हें एक भी मैच खेलने को नहीं मिला। आईपीएल में पुजारा ने 30 मैच में 20.52 के औसत और 99.74 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। इसमें 1 अर्धशतक शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया में भारत की पहली टेस्ट सीरीज जीत का हिस्सा रहे

पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया और इस साल की शुरुआत में। पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में भी उसके लिए खेले। उन्होंने 2010 के अंत में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और उनके खिलाफ 2018-19 और 2020-21 में ऐतिहासिक सीरीज जीत का हिस्सा रहे। वह 2018-19 में चार टेस्ट मैचों की सीरीज में 521 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर भारत की पहली टेस्ट सीरीज जीत थी।

चेतेश्वर पुजारा का करियर

37 वर्षीय पुजारा ने 2010 में डेब्यू के बाद भारत के लिए 103 टेस्ट और 5 वनडे मैच खेले। उन्होंने 43.60 की औसत से 19 शतकों और 35 अर्धशतकों सहित 7,195 टेस्ट रन बनाए। उनका सर्वोच्च 205 रन था। एक दशक से भी ज्यादा समय तक, वह भारत के सबसे भरोसेमंद नंबर 3 बल्लेबाज रहे। भारत और विदेशी में टीम की कुछ सबसे बड़ी टेस्ट जीत में अहम भूमिका निभाई।

पुजारा टेस्ट में भारत के लिए 8वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 21301 रन बनाए हैं।

मुंबई मेरी मां है, MC के शरद पवार म्यूजियम के बाहर अपनी प्रतिमा देख भावुक हुए सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर की प्रतिमा का अनावरण करके उन्हें सम्मानित किया। इसके अलावा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और एमसीए अध्यक्ष शरद पवार की नवनिर्मित प्रतिमा भी प्रदर्शित की। एसोसिएशन ने शनिवार (23 अगस्त) को इस अनुभवी प्रशासक के नाम पर एक संग्रहालय का भी उद्घाटन किया। संग्रहालय के बाहर अपनी प्रतिमा देखकर गावस्कर भावुक हो गए।

गावस्कर ने कहा, आप जानते हैं, ऐसा हर किसी के साथ नहीं होता कि आपको पता हो कि संग्रहालय के ठीक बाहर एक मूर्ति है, जहां संग्रहालय देखने के लिए बहुत से लोग आते हैं। और इसलिए हर बार जब आप संग्रहालय में प्रवेश करते हैं तो मूर्ति को देखते हैं। यह एक अनोखी बात है और इसलिए मैं अभिभूत हूं। मैंने पहले भी कहा है कि मुंबई मेरी मां की तरह है। उसने मेरा हाथ थामा है जब मैंने स्कूल स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया था। मुंबई के लिए खेल रहा था।

कद बराबर मूर्तियां बनाने का फैसला

एमसीए ने इस साल की शुरुआत में अपने संग्रहालय के साथ-साथ कद बराबर मूर्तियां बनाने का फैसला किया था। इसने अपनी पुरानी कांगा लीग लाइब्रेरी को भी पुनर्जीवित किया है। नया संग्रहालय अतीत और वर्तमान के क्रिकेट को समर्पित है और एमसीए ने इसमें एक छोटा सा बेस्ट और ट्रेन सेक्शन बनाकर लोकल फ्लेवर भी जोड़ा है, जो हर मुंबईकर के संघर्ष को दर्शाता है।

रिंकू सिंह ने किया खुलासा, टी20 विश्व कप में न चुने पर शाहरुख खान ने बढ़ाया था हौसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज रिंकू सिंह ने एक शानदार किस्सा साझा किया कि कैसे कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने उनके मुश्किल समय में उनका हौसला बढ़ाया। रिंकू IPL 2022 से KKR की टीम का अहम हिस्सा हैं। 2023 में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ यश दयाल की गेंद पर लगातार 5 छक्के जड़कर रिंकू घर-घर में मशहूर हो गए और आखिरकार भारतीय टीम में जगह बना ली। हालांकि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा जब उन्हें 2024 में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया।

रिंकू, जिन्हें मुख्य टीम से बाहर कर दिया गया था और रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया था, ने खुलासा किया कि वह अपनी वीजा औपचारिकताओं के लिए शाहरुख के साथ गए थे। रिंकू ने कहा, तो यही वो समय था जब मुझे मुख्य टीम में नहीं चुना गया था, मैं स्टैंडबाय

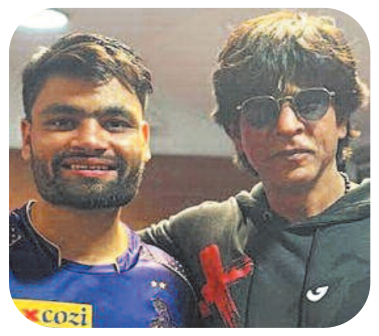

लिस्ट में था। टीम पहले ही रवाना हो चुकी थी, और मुझे वीजा की औपचारिकताओं के लिए जाना था। सर (शाहरुख खान की ओर इशारा करते हुए) को भी अगले दिन जाना था। मेरी फ्लाइट पहले ही बुक हो चुकी थी, और मैं अकेले ही जाने वाला था। उन्होंने आगे कहा, किसी तरह, सर या पूजा मैम को पता चल गया और उन्होंने कहा कि मुझे सर के साथ यात्रा करनी चाहिए, मैं पूरी तरह से घबरा गया था जैसे, मैं सर के साथ अकेले यात्रा करने जा रहा हूं? मैं खुद को कैसे संभालूंगा? मैं क्या कहूंगा? मैंने कई बार मना करने की कोशिश की।

रिंकू ने बताया कि यह पहली बार था जब वह किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे और कैसे चयक्रके मालिक ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। रिंकू ने कहा, लेकिन एक बार सर ने कह दिया, तो मैं कैसे मना कर सकता था? हां, कार में बातचीत हुई थी। वह मुझे बहुत प्रोत्साहित कर रहे थे। वह सीजन भी मेरे लिए बहुत अच्छा नहीं चल रहा था।

एशिया कप के लिए अफगानिस्तान की टीम का ऐलान, राशिद खान कप्तान

10 महीने बाद इस खिलाड़ी की वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने रविवार (24 अगस्त) को एशिया कप के लिए अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अबूधाबी और दुबई में खेला जाएगा। राशिद खान टीम की कप्तानी करेंगे। इसके अलावा टीम में तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक की 10 महीने बाद वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2024 में अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। उनकी वापसी से अफगानिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण और मजबूत होगा। इसमें पहले से ही फजलहक फारूकी, नूर अहमद और शराफुद्दीन अशरफ जैसे गेंदबाज शामिल हैं। मुजीब-उर-रहमान और अल्लाह गजनफर की वापसी हुई है। दोनों इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल पाए थे। स्पिन विभाग में कप्तान राशिद खान और अनुभवी मोहम्मद नबी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी करने वाले इब्राहिम जदरान की भी टीम में वापसी हुई है। हजरतुल्लाह जजई टीम से बाहर हैं।

रिजर्व खिलाड़ी में खरोटे

अफगानिस्तान की टीम में शराफुद्दीन अशरफ और फजलहक फारूकी भी शामिल हैं, जो अफगानिस्तान के पास स्पिन, तेज और बल्लेबाजी का एक बेहतरीन संयोजन सुनिश्चित करते हैं। रहमानुल्लाह गुरबाज और मोहम्मद इशाक को टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में जगह मिली है। टूर्नामेंट के लिए रिजर्व खिलाड़ी वफीउल्लाह तराखिल, नांग्याल खरोटे और अब्दुल्ला अहमदजई हैं।

बाबर उप-कप्तान, यासिम कप्तान; एशिया कप 2025 के लिए हांगकांग ने किया अपनी 20 सदस्यीय टीम का ऐलान

ग्रुप बी में अफगानिस्तान

अफगानिस्तान अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 9 सितंबर को हांगकांग के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच से करेगा। ग्रुप बी में अफगानिस्तान और हांगकांग के अलावा बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। अफगानिस्तान को 16 सितंबर को बांग्लादेश और 18 सितंबर को श्रीलंका से खेलना है।

एशिया कप 2025 के लिए अफगानिस्तान टीम

राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद मलिक, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी।

Tennis Hall of Fame:

दिग्गज खिलाड़ी मारिया शारापोवा टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल, ब्रायन बंधु भी सूची में

न्यूपोर्ट, एजेंसी। शारापोवा ने कहा, आपके आसपास किसी ऐसे खिलाड़ी का होना वरदान से कम नहीं है जो आपको चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करे। अपने जमाने की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मारिया शारापोवा तथा युगल में अपनी विशेष छाप छोड़ने वाले ब्रायन बंधु माइक और बॉब को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। इस अवसर पर 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स भी उपस्थित थी। उन्होंने अपनी पूर्व प्रतिद्वंद्वी, पूर्व प्रशंसक और सहेली शारापोवा का परिचय कराया।

सेरेना 2027 में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होने की पात्र होगी। सेरेना ने कहा, मेरे करियर में कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने मुझे हर बार कोर्ट पर उतरते ही सर्वश्रेष्ठ बनने की चुनौती दी। मारिया शारापोवा उनमें से एक थीं। जब भी मैंने ड्रॉ में अपने नाम के बगल में उनका नाम देखा, तो मैंने और कड़ा अभ्यास किया। इस अवसर पर शारापोवा ने कहा, आपके आसपास किसी ऐसे खिलाड़ी का होना वरदान से कम नहीं है जो आपको चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करे। सेरेना ने मुझे हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचने वाली रूस की पहली महिला खिलाड़ी और करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाली दस महिला खिलाड़ियों में से एक शारापोवा को अमेरिका के जुड़वा भाईयों माइक और बॉब ब्रायन के साथ टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

हद में रहें! एशिया कप में

इंडिया-पाक मैच से पहले वसीम अकरम ने दी वार्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं, उनके साथ ओमान और यूएई ग्रुप ए में हैं. 9 सितंबर से शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा इंतजार भारत बनाम पाकिस्तान मैच का ही किया जा रहा है. इस महा-मुकाबले से पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने फैंस और क्रिकेटर्स से भावुक अपील की है.

जब भी भारत और पाकिस्तान की क्रिकेट टीम मैदान पर भिड़ती है तो रोमांच चरम पर होता है, मैदान से लेकर लोगों एक घरों तक, माहौल अलग ही हो जाता है. वसीम अकरम ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों और फैंस से अपनी भावनाओं को काबू में रखने की भावुक अपील की है.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच को लेकर वसीम अकरम ने क्या कहा?

टेलिकॉम एशिया स्पोर्ट्स से बात करते हुए वसीम अकरम ने कहा, मुझे भरोसा है कि ये भारत बनाम पाकिस्तान के अन्य मैचों की तरह ही शानदार होगा. मुझे यकीन हैं कि दोनों टीमों के प्लेयर्स और फैंस अपनी-अपनी हद में रहेंगे. अकरम ने ये बात दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण हालत को देखते हुए कही.

अकरम ने आगे कहा, भारत बनाम पाकिस्तान मैच को दुनिया भर के अरबों लोग देखते हैं. मैं चाहता हूं कि मैच के दौरान प्लेयर्स और दर्शक अनुशासन दिखाए. अकरम ने माना है कि अभी भारतीय टीम मजबूत है और उन्होंने टीम इंडिया को खिताब का प्रबल दावेदार माना.

भारत बनाम पाकिस्तान मैच कब और कहां होगा?

एशिया कप 2025 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. ये मैच भारतीय समयनुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा. दोनों के बीच टूर्नामेंट में कुल 3 मैच हो सकते हैं. एक मैच तय हैं और अगर दोनों सुपर 4 में पहुंची तो 2 और अगर दोनों फाइनल तक गई तो फिर 15 दिनों के अंदर हमें 3 बार भारत बनाम पाकिस्तान देखने को मिलेंगे.

बाबर आजम की कमी खलेगी

एशिया कप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को जगह नहीं मिली है. अकरम का मानना है कि पाकिस्तान को बाबर आजम की कमी खलेगी. उनोहने कहा व्यक्तिगत रूप से मैं टीम में बाबर को देखना चाहता था, लेकिन वह चुने नहीं गए. अब टीम में चुने गए प्लेयर्स को आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करना होगा.

आर्सेनल की लीड्स पर बड़ी जीत, टॉटेनहैम ने सिटी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा। विक्टर ग्योकेरेस ने आर्सेनल के लिए अपना पहला गोल दागा, जिससे उनकी टीम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के मैच में लीड्स को 5-0 से हराया। जुरियन टिम्बर ने 34वें मिनट में आर्सेनल के लिए कॉर्नर से गोल किया, जिसके बाद बुकायो साका ने हाफटाइम के पहले गोल करके घरेलू टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया।

ग्योकेरेस ने शुरुआती दौर में एक आसान मौका गंवाने के बाद वापसी करते हुए दूसरे हाफ के तीन मिनट बाद अपने घरेलू मैदान पर गोल किया। टिम्बर ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। मैक्स डाउमैन ने बेंच से उतरते हुए दूसरे हाफ में शानदार प्रदर्शन किया। वह 15 साल और 235 दिन की उम्र में एथन नवानेरी के बाद आर्सेनल के लिए खेलने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। इस किशोर खिलाड़ी ने स्टॉपेज टाइम में अपनी टीम के लिए पेनल्टी हासिल की, जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदला।इस बीच टॉटेनहैम ने नए कोच थॉमस फ्रैंक के नेतृत्व में प्रीमियर लीग सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ब्रेनन जॉनसन और जोआओ पल्हिन्हा के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी पर 2-0 की प्रभावशाली जीत हासिल की। डांगो औटारा ने अपने पहले मैच में गोल करके ब्रेंटफोर्ड को एस्टन विला पर 1-0 से जीत दिलाई जबकि बोर्नमाउथ ने वॉल्वरहैम्प्टन पर 1-0 की जीत के साथ अंक तालिका में अपना खाता खोला।

बार्सिलोना का विजयी अभियान जारी

बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में मेजबान टीम लेवांटे पर 3-2 से जीत दर्ज करके अपना विजय अभियान जारी रखा। शीर्ष लीग में जगह बनाने वाले लेवांटे ने मध्यांतर तक दो गोल की बढ़त हासिल करके सबको चौंका दिया था। गत विजेता बार्सिलोना को दूसरे हाफ में पेड्री गोंजालेज और फेरान टोरेस ने बराबरी दिलाई। इसके बाद लेमिन यामल ने विजयी गोल करने में मदद की जब उनके क्रॉस पर लेवांटे के उनाई एल्गेज़ाबल ने गेंद को अपने ही नेट में पहुंचा दिया। यह आत्मघाती गोल आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले लेवांटे के स्ट्राइकर इवान रोमेरो ने 15वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा। जोस लुइस मोरालेस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 2-0 कर दिया। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड लगातार दूसरे मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया। उसने एल्चे के साथ 1-1 से ड्रॉ खेलकर अपनी बढ़त गंवा दी। एक अन्य मैच में मालोर्का ने सेल्टा विगो के साथ 1-1 से ड्रॉ खेल कर अंक बांटे।